राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 26अक्टूबर2020 वर्ष–3, अंक –270 पृष्ठ–08 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वायुसेनाकर्मियों के लिए कोर्ट का फैसला, काम के आधार पर नहीं छोड़ सकते नौकरी

नई दिल्ली। चेतक और चीता हेलीकॉप्टर मरम्मत करने के लिए प्रशिक्षित वायुसेनाकर्मी को जब मनपसंद तबादला और काम नहीं मिला तो उन्होंने नौकरी से ही हटा देने की मांग की। इसके लिए उन्होंने कानूनी लड़ाई भी लड़ी। उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल कर वायुसेनाकर्मी ने कहा कि जिस काम के लिए उन्हें प्रशिक्षित किया गया है, उनसे वह काम लेने के बजाय ढाबे (ज्वाइंट फूड प्वाइंट) पर काम लिया जा रहा है। यह ढाबा वायुसेना की यूनिट के लिए है। सेवामुक्त करने की मांग करते हुए युवक ने कहा कि वायुसेना बेवजह उन्हें हर माह 60 हजार रुपये का वेतन दे रही है। जस्टिस राजीव सहाय एंडलॉ और आशा मेनन की पीठ ने वायुसेनाकर्मी को राहत देने से इनकार कर दिया। पीठ ने वायुसेना को पारिवारिक परेशानियों के मद्देनजर अनुकंपा के आधार पर दिल्ली एरिया में ना तो तबादला करने और ना ही सेवामुक्त करने का आदेश दिया है। पीठ ने कहा है कि यदि पारिवारिक परेशानियों के आधार पर तबादला का आदेश देने लगे तो सभी लोग कोर्ट आने लगेंगे। पीठ ने वायुसेना के उस फैसले को सही ठहराया है जिसके तहत युवक को दिल्ली एरिया में तबदला करने या नौकरी छोड़ने की अनुमति देने से इनकार कर दिया गया था। वायुसेनाकर्मी ने कहा था कि उनके पिता मई 2018 से लापता हैं, 29 साल की बहन शादी करने योग्य हैं, ऐसे में परिवार को देखने के लिए अनुकंपा के आधार पर दिल्ली एरिया (हिंडन एयरबेस) में स्थानांतरित कर दिया जाए। उच्च न्यायालय ने कहा कि इस तरह की परेशानियां हर घर में है, और इस आधार पर तबादला करने का आदेश देने या किसी तरह के हस्तक्षेप से हर कोई अपनी परेशानी लेकर कोर्ट आने लगेगा। इससे स्थिति और खराब हो सकती है। यह टिप्पणी करते युवक की याचिका को खारिज कर दिया।

टीआरपी फर्जीवाड़ा मामला–एनबीए ने सरकार ने सीबीआई जांच वापस लेने का अनुरोध किया

नई दिल्ली। न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन (एनबीए) ने सरकार से टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट्स (टीआरपी) में किए गए कथित फर्जीवाड़े की सीबीआई जांच फौरन वापस लेने का शनिवार को अनुरोध किया। एनबीए ने कहा कि जांच जिस गति से रातोंरात सीबीआई को हस्तांतरित कर दी गई, उससे इसके पीछे के इरादे पर संदेह पैदा होता है। एसोसिएशन ने एक बयान में, कथित टीआरपी फर्जीवाड़ा को लेकर मीडिया के खिलाफ उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी पर गंभीर चिंता प्रकट की है। एनबीए ने कहा, जांच जिस गति से रातोंरात सीबीआई को हस्तांतरित कर दी

गई,उससे इसके पीछे के इरादे पर संदेह पैदा होता है। एक ऐसे व्यक्ति ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई, जिसका कोई अधिकार नहीं बनता है और उसका यह कदम मीडिया, इसे विज्ञापन देने वालों और विज्ञापन एजेंसियों को चुनिंदा तरीके से निशाना बना सकता है। रजत शर्मा की अध्यक्षता वाले एनबीए ने कहा, हम सरकार से पूरी गंभीरता से वह मामला वापस लेने का अनुरोध करते हैं जो सीबीआई को भेजा गया है। एनबीए का यह बयान टीआरपी में कथित फर्जीवाड़ा को लेकर सीबीआई द्वारा एक प्राथमिकी दर्ज किए जाने के कुछ दिन बाद आया है। अधिकारियों के मुताबिक यह मामला शुरूआत में एक विज्ञापन कंपनी के प्रवर्तक की शिकायत पर लखनऊ के एक पुलिस थाने में दर्ज किया गया था, जिसे उत्तर प्रदेश सरकार ने सीबीआई को सौंप दिया। एनबीए ने एक बयान में यह भी कहा कि वह मुंबई में हुए घटनाक्रम से बहुत व्यथित है क्योंकि रिपब्लिक टीवी और मुंबई पुलिस के बीच हुई झड़प दो महान संस्थाओं, मीडिया और पुलिस की विश्वसनीयता एवं सम्मान को खतरा पैदा कर रही है। एनबीए ने कहा, रिपब्लिक टीवी जिस तरह की पत्रकारिता कर रहा है , उसकी हम मंजूरी नहीं देते हैं। हालांकि, रिपब्लिक टीवी एनबीए का सदस्य नहीं है और हमारी संहिता को लेकर आबद्ध नहीं है फिर भी हम उसके संपादकीय कर्मचारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर सख्त ऐतराज जताते हैं। एसोसिएशन ने कहा, साथ ही में पत्रकारिता में नैतिकता का समर्थन करते हैं और हम निष्पक्ष और संतुलित रिपोर्टिंग को खबर के केंद्र में रखते हैं।

10 हजार मौतों वाला पहला महानगर बना मुंबई

नई दिल्ली। देश में धीरे-धीरे कोरोना संक्रमण से हालात बेहतर हो रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, अब तक करीब 90 फीसद मरीज ठीक हो चुके हैं। इनमें से 61 फीसद मरीज छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के हैं। सबसे खास बात ये है कि ये वो राज्य हैं, जो कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। ये राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं-महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और दिल्ली... दुखद यह है कि मुंबई 10 हजार मौतों वाला देश का पहला महानगर बन गया है।

महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा मरीज

लगातार छठे दिन 60 हजार से कम नए केस मिले हैं और अधिक संख्या में मरीज ठीक भी हुए हैं। दैनिक स्तर पर मरीजों की मौत की संख्या भी कम हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से शनिवार सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा मरीज हैं तो सबसे अधिक 20.6 फीसद मरीज ठीक भी हुए हैं। इसी तरह अब तक ठीक हो चुके मरीजों में आंध प्रदेश के 10.9 फीसद, कर्नाटक के 9.9 फीसद, तमिलनाडु के 9.4 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश के 6.1 फीसद और दिल्ली के 4.1 प्रतिशत मरीज शामिल हैं।

अब तक 70.16 लाख मरीज हुए स्वस्थ–मंत्रालय के मुताबिक अब तक 70.16 लाख मरीज ठीक हुए हैं और मरीजों के उबरने की राष्ट्रीय दर बढ़कर 89.78 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इसमें बीते 24 घंटों के दौरान ठीक हुए 67,549 मरीज शामिल हैं। इस दौरान 53,370 नए केस मिले हैं। इनमें 80 फीसद मरीज सिर्फ 10 राज्यों में मिले हैं। केरल में सबसे ज्यादा आठ हजार से अधिक नए केस सामने आए हैं। कुल संक्रमितों का आंकड़ा 78.14 लाख पर पहुंच गया है। 650 और मरीजों की मौत के साथ मृतकों की संख्या भी 1.17 लाख हो गई है।

मृत्युदर में गिरावट का रुख बरकरार–हालांकि, मृत्युदर में लगातार गिरावट का रुख बना हुए है और वर्तमान में यह 1.51 फीसद है। सक्रिय मामले 6.80 लाख रह गए हैं, जो कुल संक्रमितों का 8.71 प्रतिशत है। वहीं, पीटीआइ की तरफ से रात नौ बजे जारी टैली के मुताबिक शुक्रवार देर रात से अब तक 50,946 नए केस मिले हैं, 60,248 मरीज ठीक हुए हैं और 577 लोगों की मौत हुई है। इनको मिलाकर कुल संक्रमितों की संख्या 78.61 लाख और ठीक हुए मरीजों का आंकड़ा 70.69 लाख पर पहुंच गया है। अब तक 1.18 लाख मरीजों की जान भी जा चुकी है।

मुंबई 10 हजार मौतों वाला पहला महानगर बना–महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में कोरोना महामारी से 10,059 लोगों की मौत हो गई है और ढाई लाख से अधिक संक्रमित पाए गए हैं। मुंबई 10 हजार मौतों वाला देश का पहला महानगर बन गया है। 10 हजार से अधिक मरीजों की मौत महाराष्ट्र को छोड़कर सिर्फ कर्नाटक और तमिलनाडु में ही हुई हैं। हालांकि, अगर पूरे महाराष्ट्र की बात करें तो वहां हालात सुधर रहे हैं। नए मामलों में लगातार गिरावट आ रही है। बीते 24 घंटों में 6417 नए मामले मिले हैं और कुल मामले 16.38 लाख हो गए हैं।

बीते 24 घंटों में 577 मौतों में सबसे अधिक महाराष्ट्र में 137, बंगाल में 59, कर्नाटक में 52, तमिलनाडु में 35, उत्तर प्रदेश व केरल में 25-25 और आंध्र प्रदेश में 22 मौतें शामिल हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के मुताबिक कोरोना का पता लगाने के लिए शुक्रवार को 12,69,479 नमूनों की जांच की गई। इनको मिलाकर 23 अक्टूबर तक 10.13 करोड़ नमूनों का परीक्षण किया जा चुका है। ओडिशा में भी नए मामलों में कमी आ रही है। राज्य में 1,695 नए केस मिले हैं और कुल संक्रमितों की संख्या 2.97 लाख हो गई है। उत्तर प्रदेश में भी 2,277 नए केस मिले हैं और कुल संक्रमितों का आंकड़ा 4.68 लाख पर पहुंच गया है। बंगाल में 3,753 नए केस के साथ मरीजों की संख्या 3.45 लाख हो गई है।

कोरोना काल में वायु प्रदूषण से 8 प्रतिशत बढ़ा मौत का आंकड़ा, रिसर्च में खुलासा

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण के कारण कोरोना संक्रमण ज्यादा जानलेवा साबित हो रहा है। हॉर्वर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने यह दावा किया है। वैज्ञानिकों ने पाया कि दूषित हवा वाले इलाकों में रहने वाले कोविड-19 के मरीजों की मौत होने की संभावना ज्यादा रहती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, वायु प्रदूषण कोरोना महामारी से होने वाली मौतों के मामले में एक प्रमुख कारक है। हॉर्वर्ड टीएच चैन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ ने अमेरिका में एक राष्ट्रीय स्तर का अध्ययन किया है जो कि कोरोना महामारी और वायु प्रदूषण के बीच संबंध स्थापित करता है। शोध में बताया गया कि हवा में मौजूद जहरीले कणों के लंबे वक्त तक संपर्क में रहने वाले लोग अगर कोविड-19 की चपेट में आ जाएं, तो उनमें मौत का खतरा बढ़ जाता है। पीएम 2.5 स्तर के कण हवा तक पहुंचने के सबसे बड़े स्त्रोत कार, रिफाइनरी, पावर प्लांट हैं।

तीन हजार अमेरिकी काउंटी पर अध्ययन–यह अध्ययन करने के लिए शोधकर्ताओं ने अमेरिका की तीन हजार से ज्यादा काउंटी में संक्रमण से हुई मौतों और वहां वायु प्रदूषण के स्तर की तुलना की। इन सभी काउंटी में जनसंख्या के मुकाबले अस्पतालों में उपलब्ध बिस्तर की संख्या, संक्रमण के कुल मामले, मौसम की स्थिति और सामाजिक व व्यावहारिक कारक जैसे मोटापा और धूम्रपान की आदतों को जोड़कर अध्ययन किया गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि पीएम 2.5 के जितने ज्यादा संपर्क में कोई व्यक्ति आएगा, उसके संक्रमित होने पर मौत का खतरा करीब आठ फीसदी ज्यादा बढ़ जाएगा।

जहरीली हवा हृदयरोग का जोखिम बढ़ाती है–हार्वर्ड चैन स्कूल में जनसंख्या और डेटा साइंस विशेषज्ञ फ्रांसेसा डोमिनिकी का कहना है कि जिन काउंटी में ज्यादा प्रदूषण होगा, वहां अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या ज्यादा होगी।

आज पूरा देश महानवमी और विजयादशमी साथ-साथ मना रहा है। इस मौके पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। वहीं, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, 'विजय अंततः सत्य की ही होती है।' राष्ट्रपति ने अपने ट्वीट में लिखा, 'सभी देशवासियों को दशहरा की बधाई और शुभकामनाएं। यह पर्व अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है । मेरी कामना है कि हर्ष और उल्लास का यह त्यौहार, महामारी के प्रभाव से सबकी रक्षा कर देशवासियों में समृद्धि व खुशहाली का संचार करे।' प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर कहा, 'देशवासियों को महानवमी की हार्दिक शुभकामनाएं।

पीएम मोदी की अपील–सैनिकों के लिए घर में एक दीया जलाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने मासिक रेडियो प्रोग्राम 'मन की बात' कार्यक्रम के जरिए देश को संबोधित किया। पीएम मोदी के मन की कार्यक्रम की यह 70वीं कड़ी थी। पीएम मोदी की ये बातचीत जो कई विषयों पर आधारित रही। उन्होंने देशवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं दी। उन्होंने लोगों से कोरोना को लेकर सतर्कता बरतते हुए त्योहार मनाने की अपील की। इससे पहले पीएम मोदी पिछले महीने 27 तारीख को मन की बात कार्यक्रम के जरिए देश को संबोधित किए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर लोगों से कहा था कि वे NaMo या MyGov ऐप का उपयोग करके या 1800-11-7800 पर कॉल करके अपने संदेशों को रिकॉर्ड करके अपने सवाल और सुझाव भेज सकते हैं। सुझाव भेजन की अंतिम तिथि 23 अक्टूबर थी। बहुत कम लोग मिलेंगे जिनके व्यक्तित्व में एक साथ कई सारे तत्व मौजूद हों - वैचारिक गहराई, नैतिक साहस, राजनैतिक विलक्षणता, कृषि क्षेत्र का गहरा ज्ञान और राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पण भाव। क्या आप सरदार पटेल के

NaMo या MyGov ऐप का उपयोग करके या 1800-11-7800 पर कॉल करके अपने संदेशों को रिकॉर्ड करके अपने सवाल और सुझाव भेज सकते हैं। सुझाव भेजन की अंतिम तिथि 23 अक्टूबर थी।

बारे में एक बात जानते हैं जो उनके sense of humour को दर्शाती है। जरा उस लौह-पुरुष की छवि की कल्पना कीजिये जो राजे-रजवाड़ों से बात कर रहे थे, पूज्य बापू के जन-आंदोलन का प्रबंधन कर रहे थे, साथ ही, अंग्रेजों से लड़ाई भी लड़ रहे थे, और इन सब के बीच भी, उनका sense of humour पूरे रंग में होता था। बापू ने सरदार पटेल के बारे में कहा था - उनकी विनोदपूर्ण बातें मुझे इतना हँसाती थी कि हँसते-हँसते पेट में बल पड़ जाते थे ,ऐसा, दिन में एक बार नहीं, कई-कई बार होता था। इसमें, हमारे लिए भी एक सीख है, परिस्थितियाँ कितनी भी विषम क्यों न हो,

इस साल अगस्त में अरुणाचल प्रदेश के निरजुली के Rayo Village में एक Self Help Library बनाई गई है। दरअसल, यहाँ की मीना गुरुंग और दिवांग होसाई को जब पता चला कि कस्बे में कोई library नहीं है तो उन्होंने इसकी funding के लिए हाथ बढ़ाया। आपको ये जानकार हैरानी होगी कि इस library के लिए कोई membership ही नहीं है 7 कोई भी व्यक्ति दो हफ्ते के लिए किताब ले जा सकता है। पढ़ने के बाद उसे वापस करना होता है । ये library सातों दिन, चौबीसों घंटे खुली रहती है। आस-पड़ोस के अभिभावक यह देखकर काफी खुश हैं, कि उनके बच्चे किताब पढ़ने में जुटे हैं। खासकर उस समय जब स्कूलों ने भी online classes शुरू कर दी हैं।

31 अक्टूबर के बाद दिल्ली में खुलेंगे स्कूल?

नई दिल्ली। 31 अक्टूबर के बाद दिल्ली के स्कूलों के खुलने के आसार कम ही हैं। अरविंद केजरीवाल सरकार ने कोरोना महामारी के कारण पहले से स्कूलों को 31 अक्टूबर तक बंद रखने का फैसला किया था। लेकिन 31 अक्टूबर के बाद भी स्कूल खुलने की उम्मीद कम है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि यहां के स्कूल अभी नहीं खुलेंगे। इससे साफ है कि दिल्ली के स्कूलों में नियमति कक्षाएं नहीं लगेंगी और ऑनलाइन माध्यम से ही आगे भी पढ़ाई होगी। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने यह बात तब कही है, जब एक बार फिर से दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेजी देखी जा रही है। शुक्रवार को 34 दिन बाद राष्ट्रीय राजधानी में 4000 से अधिक मामले दर्ज हुए थे। वर्तमान में 3 लाख 48 हजार से अधिक लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं और करीब 6200 लोगों की इस कारण मौत हुई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एक अभिभावक होने के नाते कोरोना के कारण बनी स्थिति की गंभीरता को

समझते हैं। इस हाल में बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर जोखिम उठाना ठीक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली के स्कूल अभी दोबारा नहीं खुल रहे हैं। इससे पहले दिल्ली के शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने घोषणा की थी कि दिल्ली के स्कूल 31 अक्टूबर तक बंद रहेंगे। हालांकि केंद्र सरकार ने 21 सितंबर से स्कूलों को कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को बुलाने की सशर्त अनुमति दे दी थी।

बिहार में फिर बन सकती है एनडीए सरकार, बीजेपी को सबसे ज्यादा सीटें

नई दिल्ली। बिहार में अगले पांच साल तक सत्ता पर कौन काबिज होगा यह तो 10 नवंबर को ही साफ हो पाएगा, लेकिन एक और ओपिनियन पोल के मुताबिक बिहार में फिर एनडीए की सरकार बनती दिख रही है। ताजा ओपिनियन पोल के मुताबिक, 243 सीटों वाले विधानसभा में एनडीए को 135-159 सीटें मिल सकती हैं तो महागठबंधन के खाते में 77 से 98 सीटें जा सकती हैं। जेडीयू से अधिक सीटों पर लड़ रही लोक जनशक्ति पार्टी को 1-5 सीटों से ही संतोष करना पड़ सकता है। वोट शेयर की बात करें तो एनडीए को 43त्न वोट शेयर मिल सकता है तो महागठबंधन के खाते में 35 फीसदी वोट जा सकते हैं। लोक जनशक्ति पार्टी को 4 पर्सेंट तो अन्य के खातों में 18 पर्सेंट वोट जाते दिख रहे हैं। एबीपी सी वोटर की ओर से बताया गया है कि 1 से 23 अक्टूबर के बीच हुए इस ओपिनियन पोल के लिए 30 हजार 678 लोगों की राय ली गई है। बिहार विधानसभा चुनाव कुल तीन चरणों में होंगे। 28 अक्टूबर, 3 नवंबर को और 7 नवंबर को वोटिंग होगी तो 10 नवंबर को आएंगे।

बीजेपी को सबसे ज्यादा सीटें

ओपिनियन पोल के मुताबिक, इस चुनाव में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी होगी। बीजेपी को 73 से 81 सीटें मिल सकती हैं, जबकि नीतीश कुमार की अगुआई वाली पार्टी जेडीयू को 59 से 67 सीटें मिल सकती हैं। वीआईपी को 3-7 तो हम को 0-4 सीटें मिल सकती हैं। दूसरी तरफ महागठबंधन में आरजेडी को 56-64 सीटें मिल सकती हैं तो कांग्रेस 12-20 सीटों पर सिमट सकती है। लेफ्ट को 9-14 सीटें मिलती दिख रही हैं।

सीएम पद के लिए कौन सबसे ज्यादा लोकप्रिय? ओपिनियन पोल में लोगों से यह सवाल भी पूछा गया था कि मुख्यमंत्री के रूप में उनकी पहली पसंद कौन है। 15 साल से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 30त्न लोगों ने पहली पसंद बताया तो तेजस्वी यादव को 20त्न लोग अगले सीएम के रूप में देखना चाहते हैं। चिराग पासवान पर 14 फीसदी तो मौजूदा डिप्टी सीएम सुशील मोदी को सिर्फ 10त्न लोग मुख्यमंत्री बनते देखना चाहते हैं।

नीतीश से नाराजगी? बिहार में नीतीश कुमार 15 सालों से शासन में हैं। अक्सर लंबे शासन के बाद सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ता है। ओपिनियन पोल में मुख्यमंत्री नीतीश से लोगों की नाराजगी को लेकर भी सवाल पूछा गया। इसके जवाब में जो आंकड़े आए हैं उससे नीतीश की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। 60 फीसदी लोगों ने कहा कि वे नीतीश कुमार से नाराज हैं और मुख्यमंत्री बदलना चाहते हैं। 26त्न लोगों ने कहा कि वे नीतीश से नाराज तो हैं लेकिन उन्हें फिर मौका देना चाहते हैं। 14त्न लोग ना तो नाराज हैं और न ही नीतीश को बदलना चाहते हैं।

बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा–बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार सबसे बड़ा मुद्दा क्या है? लोग किस मुद्दे को ध्यान में रखकर वोट करेंगे? इस सवाल के जवाब में 52त्न लोगों ने कहा कि उनके लिए बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

खुली तरफदारी

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 की बहाली की मांग करने वाले कश्मीर आधारित राजनीतिक गुटों की ओर से तथाकथित गुपकार गठबंधन का गठन उसी तरह की एक शरारत भरी कवायद है, जैसे हुर्रियत कांफ्रेंस के नाम पर की गई थी। इस गुपकार गठबंधन का भी वही हश्र होगा, जो आतंकपरस्त हुर्रियत कांफ्रेंस का हुआ, क्योंकि उसके नेता और खासकर फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती भी पाकिस्तान एवं चीन की भाषा बोल रहे हैं और वह भी निहायत बेशर्मी के साथ। गुपकार गठबंधन के अध्यक्ष के रूप में फारूक अब्दुल्ला का यह कहना देश-दुनिया की आंखों में धूल झोंकने के अलावा और कुछ नहीं कि हम भाजपा विरोधी हैं, देश विरोधी नहीं। महबूबा और अब्दुल्ला बड़ी चतुराई से यह भूल रहे हैं कि अनुच्छेद 370 को खत्म करने का फैसला संसद ने लिया था और वह भी दो तिहाई बहुमत से। आखिर ऐसे किसी फैसले के विरोध में खड़े होकर चीन की मदद लेने अथवा भारतीय ध्वज को न उठाने की बातें करने वाले किस मुंह से यह कह सकते हैं कि वे राष्ट्रविरोधी नहीं हैं? ये हरकतें तो साफ तौर पर राष्ट्रविरोधी ही हैं। फारूक अब्दुल्ला यह भी सफाई दे रहे हैं कि उनकी लड़ाई मजहबी नहीं है, लेकिन उनका रुख-रवैया यही साबित कर रहा है कि वह हुर्रियत कांफ्रेंस की तरह से अपनी अलगाववादी राजनीति को मजहबी रंग दे रहे हैं। वास्तव में इसी कारण वह जम्मू क्षेत्र के लोगों की आकांक्षाओं की कहीं कोई परवाह नहीं कर रहे हैं। केवल कश्मीर आधारित राजनीतिक गुटों की ओर से संविधान के अस्थायी अनुच्छेद 370 की वापसी का राग अलापना यही बताता है कि वे घाटी को देश और यहां तक कि जम्मू से भी अलग मानते हैं। उनके इस मुगालते को दूर करने की सख्त जरूरत है कि कश्मीर उनकी जागीर है। वैसे भी इन गुटों और खासकर नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने कश्मीर को लूटा ही है। इस लूट-खसोट से कश्मीर की जनता भी अवगत है। वह इससे भी परिचित है कि ये गुट जब सत्ता में होते हैं तो किस तरह देश, संविधान की बातें करते हैं और सत्ता से बाहर होने पर पाकिस्तान की भाषा बोलने लगते हैं। गुपकार गठबंधन के नेताओं को जितनी जल्दी यह समझ आए तो अच्छा कि यह देश किसी भी कीमत पर 370 की वापसी के लिए सहमत नहीं हो सकता, क्योंकि उसने अलगाव, अन्याय और आतंक के बीज बोने के अलावा और कुछ नहीं किया। फारूक अब्दुल्ला कितनी ही लीपापोती करें, देश उन्हें माफ नहीं कर सकता, क्योंकि उन्होंने भारत की ओर आंख उठाने वाले चीन की खुली तरफदारी करके लोगों का सम्मान हमेशा के लिए खो दिया है।

370 की बहाली बनाम राष्ट्रविरोधी एजेंडा

– प्रमोद भार्गव

फारूख अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती ने नजरबंदी से बाहर आते ही देश-विरोधी बयान देकर अलगाववाद को फिर से सींचना शुरू कर दिया है। यही नहीं इन दोनों नेताओं ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 व धारा 35-ए बहाली की मांग उठाकर कश्मीर आधारित क्षेत्रीय दलों व सियासी गुटों के क्षत्रपों का गठबंधन भी बना लिया है। महबूबा जहां राष्ट्रीय तिरंगे झंडे को नाकार रही हैं, वहीं फारूख अब्दुल्ला चीन की मदद से अनुच्छेद-370 की वापसी के सब्जबाग अलगाववादियों को दिखा रहे हैं। राज्य का झंडा और संविधान वापसी की मांग उठाकर यह गठबंधन पाकिस्तान और चीन की शह से घाटी में खत्म हो चुकी आतंक की फसल के बीज फिर से बौने की तैयारी में है। दरअसल भारत की स्वतंत्रता के बाद से ही नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने कश्मीर ने भारत सरकार से मिलने वाले धन को न केवल लूटा है, बल्कि लद्दाख और जम्मू क्षेत्र के विकास की भी कभी परवाह नहीं की। इस लूट को पाने के लिए महबूबा और अब्दुल्ला ने परस्पर विरोधी क्षेत्रीय दलों से जो गठबंधन किया है, वैसी मंशा इन नेताओं ने 30 साल से विस्थापित कश्मीरी पंडितों के प्रति कभी नहीं जताई। अब वे इस लड़ाई को धारा-370 की वापसी का संघर्ष बताते हुए सांप्रदायिक रंग देने में भी लग गए हैं। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह कहकर कि 'अनुच्छेद की वापसी किसी भी सूरत में नहीं होगी' दो टूक उत्तर दे दिया है। धारा-370 और 35-ए के खत्म होने का प्रस्ताव संसद से पारित होने के बाद से ही जम्मू-कश्मीर का विभाजन जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के रूप में हो चुका है। अब यहां अलग-अलग राज्यपालों की निगरानी में शासन-प्रशासन लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कामयाबी के साथ बहाल कर रहा है। इसी क्रम में अलग निशान और विधान का शासन खत्म हो गया है। नतीजतन अब सही मायनों में कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत को भारतीय संविधान के कानूनी धागे में पिरो दिया है। अब यहां आधार, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नियंत्रक और महालेखक परीक्षक, मुस्लिम विवाह विच्छेद, शत्रु संपत्ति कानून, मुस्लिम महिला सरंक्षण अधिनियम, भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, व्हिसल ब्लोअर समेत 108 केंद्रीय कानून अस्तित्व में आ गए हैं। साथ ही इस राज्य को विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त होने के कारण जो 164 कानून यहां के लोगों को विशेष लाभ देते थे, वे रद्द हो गए हैं। इस राज्य के पुराने कानूनों में से 166 कानून ही नए केंद्र शासित प्रदेशों में लागू होंगे। जो अधिकार देश की दूसरी ग्राम पंचायतों को प्राप्त थे, वे यहां लागू नहीं थे, जो अब लागू हो गए। कश्मीर में अल्पसंख्यक हिंदू और सिखों को मिलने वाला आरक्षण लागू नहीं था, लेकिन इस नई व्यवस्था के तहत ये संवैधानिक प्रावधान प्रभावशील हो गए हैं। यहां सबसे बड़ा बदलाव यह हुआ है कि यहां की आधिकारिक भाषा उर्दू की जगह हिंदी ने ले ली है। जम्मू-कश्मीर देश का एकमात्र ऐसा राज्य था, जहां आधिकारिक भाषा उर्दू थी। साफ है, इस पूरे क्षेत्र में जो भी देश की अखंडता के एवं भारतीय संविधान के मुताबिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के पक्षधर लोग हैं, उन्हें बरगलाना मुश्किल है क्योंकि कश्मीरी अवाम जान गई है कि इन दोनों परिवारों ने कश्मीर को अपने निजी हितों के लिए न केवल लूटा, बल्कि आतंक की आग में भी झोंक दिया। दरअसल फारूख और महबूबा आज भी उसी सोच को आगे बढ़ा रहे हैं, जो देश विभाजन के समय सामंतों की थी। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने आजादी के बाद 562 भारतीय रियासतों का स्वतंत्र भारत में विलय कराया था। इन देशी रियासतों का स्वतंत्र भारत में विलय करना कठिन इसलिए हो रहा था, क्योंकि ब्रिटिश सरकार ने इन्हें यह छूट दी थी कि वे भारत या पाकिस्तान किसी के भी साथ अपनी इच्छा से जा सकते हैं। या फिर स्वतंत्र रियासत के रूप में भी बने रह सकते हैं। भारत को खंडित बनाए रखने की यह अंग्रेजों की कुटिल चाल थी। दूसरी तरफ पाकिस्तान के जनक मोहम्मद अली जिन्ना भी इन रियासतों को लुभाने में लगे थे। देश के पहले गृहमंत्री सरदार पटेल ने इन दुर्भावनाओं को भांप लिया और उस समय के वरिष्ठ नौकरशाह वीपी मेनन के साथ मिलकर सामंतों व नवाबों से बातचीत शुरू की। इन्हें विलय के बाद प्रिवीपर्सेज के माध्यम से आर्थिक मदद देने का भी लालच दिया। तीन रियासत हैदराबाद, जूनागढ़ एवं जम्मू-कश्मीर को छोड़ अन्य रियासतों ने आसानी से विलय कर लिया। जूनागढ़ तो पटेल ने दबाव के चलते भारत में मिला लिया, किंतु हैदराबाद के निजाम अली खान आसिफ ने 15 अगस्त 1947 को ही हैदराबाद को स्वतंत्र देश बनाने की घोषणा कर दी। उस समय हैदराबाद का क्षेत्रफल इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के कुल क्षेत्रफल से भी बड़ा था। हैदराबाद के पक्ष में सबसे बड़ी बात यह थी कि सेना के वरिष्ठ पदों पर मुस्लिम तैनात थे, लेकिन यहां की 85 प्रतिशत जनसंख्या हिंदू थी। बावजूद निजाम ने पाकिस्तान से हथियार खरीदना शुरू कर दिया। तब पटेल ने कठोर फैसला लेते हुए 'ऑपरेशन पोलो' के तहत 13 सितंबर 1948 को सैनिक कार्यवाही शुरू कर दी। पांच दिनों के भीतर ही 17 सितंबर को भारतीय सेना ने हैदराबाद को अपने अधीन कर लिया। जम्मू-कश्मीर के विलय की जिम्मेवारी जवाहरलाल नेहरू ने ले रखी थी, वे इस क्षेत्र को भारत में विलय करा पाते इससे पहले ही पाकिस्तानी सेना के साथ कबाईलियों ने श्रीनगर पर हमला बोल दिया। बाद में भारतीय सेना भेजकर बमुश्किल इन कबाईलियों को खदेड़ा गया। शेख अब्दुल्ला के साथ हुए एक 'दिल्ली समझौते' के तहत नेहरू ने इस राज्य को विशेष दर्जा दिया, इसी के तहत यहां दो निशान और दो विधान का शासन कायम हो गया, जो 5-6 अगस्त 2019 तक देश के गले में फांस बना रहा। पुनर्गठन विधेयक-2019 के लागू होने के बाद इस राज्य की भूमि का ही नहीं राजनीति का भी भूगोल बदल गया। विधानसभा सीटों का परिसीमन के जरिए राजनीतिक भूगोल बदला जाएगा। नए सिरे से परिसीमन व आबादी के अनुपात में जम्मू-कश्मीर की नई विधानसभा का जो आकार सामने आएगा, उसमें सीटें घट अथवा बढ़ सकती हैं। बंटवारे के बाद जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित राज्य हो गए हैं। दोनों जगह दिल्ली व चंडीगढ़ की तरह मजबूत उप राज्यपाल सत्ता-शक्ति के प्रमुख केंद्र के रूप में अस्तित्व में आ गए हैं। लद्दाख में विधानसभा नहीं होगी। परिसीमन के लिए आयोग बनेगा। यह आयोग राजनीतिक भूगोल का अध्ययन कर रिपोर्ट देगा। आयोग राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में मौजूदा आबादी और उसका विधान व लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व का आकलन करेगा। साथ ही राज्य में अनुसूचित व अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटों को सुरक्षित करने का भी अहम् निर्णय लेगा। परिसीमन के नए परिणामों से जो भौगोलिक, सांप्रदायिक और जातिगत असमानताएं हैं, वे दूर होंगी। नतीजतन जम्मू-कश्मीर व लद्दाख क्षेत्र नए उज्जवल चेहरों के रूप में पेश आएंगे। जम्मू-कश्मीर का करीब 60 प्रतिशत क्षेत्र लद्दाख में है। इसी क्षेत्र में लेह आता है, जो अब लद्दाख की राजधानी। यह क्षेत्र पाकिस्तान और चीन की सीमाएं साझा करता हैं। बीते सत्तर साल से लद्दाख कश्मीर के शासकों की बद्नीयति का शिकार होता रहा है। अब तक यहां विधानसभा की मात्र चार सीटें थी, इसलिए राज्य सरकार इस क्षेत्र के विकास को कोई तरजीह नहीं देती थी। लिहाजा आजादी के बाद से ही इस क्षेत्र के लोगों में केंद्र शासित प्रदेश बनाने की चिंगारी सुलग रही थी। 70 साल बाद इस मांग की पूर्ति हो गई है। इस मांग के लिए 1989 में लद्दाख बुद्धिस्ट एसोशिएशन का गठन हुआ और तभी से यह संस्था कश्मीर से अलग होने का आंदोलन छेड़े हुए थी। 2002 में लद्दाख यूनियन टेरेटरी फ्रंट के अस्तित्व में आने के बाद इस मांग ने राजनीतिक रूप ले लिया था। 2005 में इस फ्रंट ने लेह हिल डवलपमेंट काउंसिल की 26 में से 24 सीटें जीत ली थीं। इस सफलता के बाद इसने पीछे मुड़कर नहीं देखा। इसी मुद्दे के आधार पर 2004 में थुप्स्तन छिवांग सांसद बने। 2014 में छिवांग भाजपा उम्मीदवार के रूप में लद्दाख से फिर सांसद बने। 2019 में भाजपा ने लद्दाख से जमयांग सेरिंग नामग्याल को उम्मीदवार बनाया और वे जीत भी गए। लेह-लद्दाख क्षेत्र अपनी विषम हिमालयी भौगोलिक परिस्थितियों के कारण साल में छह माह लगभग बंद रहता है। सड़क मार्गों व पुलों का विकास नहीं होने के कारण यहां के लोग अपने ही क्षेत्र में सिमटकर रह जाते हैं। यह वही लद्दाख है, जिसे चीन हथियाना चाहता है, इसी चीन से फारूख अब्दुल्ला कश्मीर की पुरानी स्थिति को बहाल करने की गुहार लगा रहे हैं। ऐसे व्यक्ति को राष्ट्रघाती नहीं तो क्या राष्ट्र का हितैषी कहा जाए?

आज के ट्वीट

उपवास

'उपवास हमेशा अन्न का ही क्यों? लोभ, लालच, चुगली, काम, क्रोध, बुरे विचारों का भी होना चाहिए'

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

ज्ञान गंगा

जीवन

जग्गी वासुदेव/ जीवन के बहुत से पहलू हैं। जन्म है, बचपन है, जवानी है और बुढ़ापा भी। प्रेम, कोमलता, मिठास और कड़वाहट भी है। सफलता की खुशी है, कुछ पाने का संतोष है, दर्द है और आनंद भी। जीव को समझाने वाला सबसे महत्वपूर्ण पहलू है-मृत्यु, वो किसी भी मन की पकड़ के बाहर है-चाहे आप अपने को कितना ही बुद्धिमान, होशियार या बड़ा बुद्धिजीवी मानते हों। चूंकि हम मरणशील हैं, मरने वाले हैं, इसीलिए जीवन उस तरह से चल रहा है जैसे वो चल रहा है। हम मरने वाले नहीं होते तो न कोई बचपन होता, न जवानी, न बुढ़ापा। तब हम सवाल भी ना उठा पाते कि जन्म क्या होता है? आप मृत्यु को नहीं समझते तो जीवन को नहीं जान सकेंगे, न ही उसे संभाल पाएंगे क्योंकि जीवन और मृत्यु सांस लेने और छोड़ने की तरह हैं। बिना अलग हुए, साथ-साथ रहते हैं। आध्यात्मिक प्रक्रिया तभी शुरू होती है जब आप मृत्यु का सामना करते हैं-या तो खुद की या ऐसे व्यक्ति की जो आपको प्रिय है और जिसके बिना जीने की बात आप नहीं सोच सकते। जब मृत्यु आ रही हो, या हो गई हो तब ही अधिकतर लोगों के मन में सवाल आता है, 'ये सब क्या है, और इसके बाद क्या होगा'? जब तक केवल जीवन ही सत्य लगता है तब तक आपको विश्वास नहीं होता कि ये बस ऐसे ही खत्म होने वाला है। जब मृत्यु पास आ जाती है तभी मन सोचना शुरू करता है कि कुछ और भी है, जो इससे ज्यादा है। पर मन चाहे कितना भी सोच ले, वास्तव में जानता कुछ नहीं है क्योंकि मन सिर्फ उसी डेटा के आधार पर काम करता है जो वो पहले से इकट्ठा कर चुका है। मन का मृत्यु के साथ कोई वास्ता नहीं पड़ा है तो वो मृत्यु के बारे में नहीं जानता क्योंकि इसके पास उसके बारे में कोई आधारभूत जानकारी नहीं है-सिर्फ कुछ गप्पबाजी है। आपने ऐसी गप्पें सुनी होंगी कि कैसे जब आप मर जाएंगे तो आप जाकर भगवान की गोद में बैठेंगे। ऐसा है तो आपको आज ही मर जाना चाहिए। आपको ऐसा विशेष अधिकार मिलने वाला हो तो पता नहीं आप इसे टाल क्यों रहे हैं? आपने स्वर्ग और नर्क के बारे में भी गप्पें सुनी होंगी। देवदूतों और बाकी चीजों के बारे में भी गपशप सुनी हैं पर कोई पक्की जानकारी नहीं है। ये सोचने में समय बर्बाद मत कीजिए कि मृत्यु के बाद क्या होता है, क्योंकि वो आपके मन की सीमा के बाहर की बात है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

घर से निकल देश की उम्मीद बन जाना

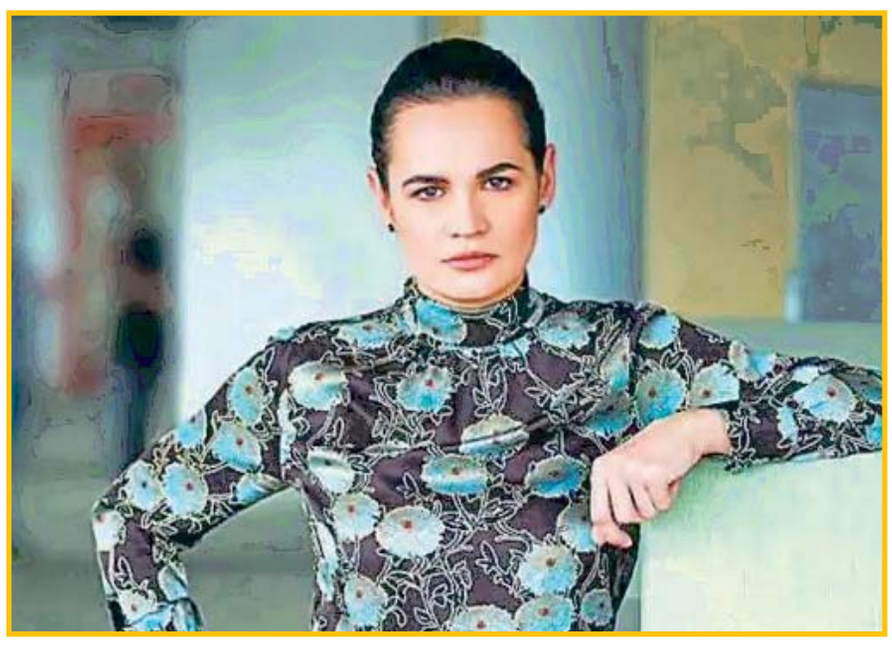

स्वेतलाना तिखानोव्स्काया राजनीतिज्ञ, बेलारूस

कुदरत ने इसे बेपनाह खूबसूरती बख्शी है। कई लोग तो इसे दुनिया की सबसे सुंदर स्त्रियों का देश कहते हैं। मगर बेलारूस इन दिनों कुछ अलग वजहों से संसार की निगाहों में है। राजधानी मिंस्क समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के खिलाफ जबर्दस्त प्रदर्शन हो रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हुई हैं, इसलिए वह इसके नतीजे को नहीं मानता। लुकाशेंको की 26 साल पुरानी एकाधिकारवादी सत्ता को चुनौती दी है 38 वर्ष की स्वेतलाना तिखानोव्स्काया ने।

सितंबर 1982 में एक छोटे से शहर मिकाशेविची में पैदा हुईं स्वेतलाना का बचपन काफी साधारण स्थितियों में बीता। तब बेलारूस सोवियत संघ का हिस्सा था, और उसके बुरे हालात उसे बिखराव के करीब ले जा रहे थे। अंततः 27 जुलाई, 1990 को बेलारूस ने सोवियत संघ को अलविदा कह दिया। नया मुल्क था, नई चुनौतियां थीं। नागरिकों ने नेतृत्व से काफी उम्मीदें बांधी थीं, पर लुकाशेंको उनके साथ इंसाफ न कर सके । वैसे, स्वेतलाना जिस पारिवारिक पृष्ठभूमि से आती हैं, उसकी तमाम चाहतें अदद नौकरी से जुड़ी होती हैं, इसीलिए उन्होंने 'विदेशी भाषा' की पढ़ाई का विकल्प चुना। उनका फैसला सही साबित हुआ और उन्हें जल्द ही बेलारूस के दूसरे बड़े शहर गोमेल में अनुवादक की नौकरी मिल गई। स्वेतलाना के लिए यह किसी नेमत से कम न थी। इसके बाद तो बस एक पुरसुकून जिंदगी की ख्वाहिश थी। उनके पेशेवर करियर में अगला पड़ाव अंग्रेजी शिक्षिका के रूप में आया। गोमेल में ही उन्हें ब्लॉगर, यू-ट्यूबर सर्गेई तिखानोव्स्काया मिले। सर्गेई से पहली मुलाकात में ही स्वेतलाना को लगा कि जिंदगी को ठौर मिल गया है। कुछ मुलाकातों के बाद दोनों ने 2004 में आगे का सफर साथ तय करने के लिए शादी कर ली। दोनों अपनी जिंदगी से बहुत खुश थे। बेटे-बेटी की पैदाइश के बाद स्वेतलाना ने उनकी देखभाल के लिए खुशी-खुशी अपनी नौकरी छोड़ दी। पति के साथ-साथ पूरा देश घूमने और पेशेवर वीडियो शूट ने स्वेतलाना को बेलारूस के हालात और वहां के निवासियों की आकांक्षाओं से हमेशा आगाह रखा। फिर भी सियासत में अपनी कोई भूमिका दूर-दूर तक उनके दिमाग में नहीं थी। अलबत्ता, सर्गेई म्यूजिक वीडियो बनाते-बनाते राजनीतिक-सामाजिक मसलों पर भी ब्लॉगिंग करने लगे थे और व्यवस्था को चुनौती देने की एक अकुलाहट उनके अंदर उठने लगी थी। उन्होंने 2019 में एक यू-ट्यूब चैनल शुरू किया 'कंट्री फॉर लाइफ।' एक साल के भीतर ही उसके सब्सक्राइबर्स की संख्या लगभग डेढ़ लाख हो गई। वह इनमें बेलारूस के आम नागरिकों की कहानियां उठाते या फिर उद्यमियों की समस्याएं पेश करते। उनके वीडियो तेजी से लोकप्रिय होने लगे थे। मई 2020 तक 2,43,000 लोगों ने कंट्री फॉर लाइफ को सब्सक्राइब कर लिया था। जाहिर है, हुकूमत को यह नागवार गुजरना था। फिर उन्होंने उसी महीने एक ऐसी महिला की कहानी पेश की, जो राष्ट्रपति के प्रति बेहद आक्रामक थी। इस वीडियो को लगभग 10 लाख लोगों ने देखा। मई की शुरुआत में उन्होंने यह भी एलान कर दिया कि वह कुछ महीनों के भीतर हो रहे राष्ट्रपति चुनाव में लुकाशेंको को चुनौती देंगे। 95 लाख की आबादी वाले मुल्क में किसी की इतनी लोकप्रियता भला लुकाशेंको को कैसे बर्दाश्त हो जाती? प्रशासन ने उन्हें परेशान करना शुरू कर दिया। स्वेतलाना ने तब तक सब्र और हौसले का परिचय दिया, मगर जब पति की उम्मीदवारी खारिज कर दी गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया, तब वह बेचैन हो उठीं। एक दिन वह पति से मिलने जेल गईं। सर्गेई की हालत देखकर वह कांप उठीं। चंद दिनों में ही उनका वजन काफी गिर गया था। उस भेंट ने सर्गेई की 'बेटर हाफ' को एक संकल्प दे दिया। अब वह खुद लुकाशेंको से मुकाबिल थीं। उन्होंने पूरे विपक्ष को एकजुट कर दिया। उनकी रैलियों में हजारों की भीड़ उमड़ रही थी। पर जैसी कि आशंका थी, लुकाशेंको एक बार फिर चुनाव जीत गए। स्वेतलाना और पूरे विपक्ष ने इस नतीजे को नामंजूर कर दिया। मगर स्वेतलाना के लिए आने वाले दिन कितने भयानक हो सकते हैं, इसका अंदाजा उन्हें चुनाव प्रचार के दौरान ही लग गया था। न सिर्फ राष्ट्रपति ने उन पर विदेशी ताकतों के हाथ खेलने का आरोप मढ़ा, बल्कि राष्ट्रपति समर्थकों ने उन्हें बलात्कार की धमकी तक दी। लिहाजा चुनाव नतीजों के बाद उन्होंने बेलारूस से निकलने में ही भलाई समझी। अपने बच्चों को वह पहले ही सुरक्षित लिथुआनिया भेज चुकी थीं। चुनाव बाद वह भी गिरफ्तारी की आशंका से बचकर बच्चों के पास पहुंच गई हैं। बेलारूस की स्थितियां आने वाले दिनों में जिस भी करवट बैठें, स्वेतलाना अब उसकी उम्मीदों की धुरी हैं। पश्चिम के देश उनकी हिमायत कर रहे हैं। यूरोपीय संघ ने उन्हें बीते गुरुवार को यूरोप के सबसे बड़े मानवाधिकार सम्मान (सखारोव पुरस्कार) से नवाजा है। प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इरडा का बीमा विज्ञापन नियमनों में बदलाव का प्रस्ताव

नयी दिल्ली

भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा कंपनियों के ऐसे विज्ञापनों पर रोक लगाने का प्रस्ताव किया है जो उनके मौजूदा प्रदर्शन की स्थिति के लिहाज से कुछ अधिक का दावा करते हैं। नियामक ने भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (बीमा विज्ञापन एवं खुलासा) नियमन, 2020 के मसौदे में कहा है कि अनुचित और गुमराह करने वाले विज्ञापनों में वे विज्ञापन आएंगे जो स्पष्ट तौर पर किसी उत्पाद की पहचान बीमा के रूप में करने में विफल रहेंगे। इसके अलावा इसमें वे उत्पाद भी आएंगे जिनमें लाभ पॉलिसी के प्रावधानों से मेल नहीं खाएंगे। इरडा नए विज्ञापन नियमन लाने की तैयारी कर रहा है। उसने मसौदे पर अंशधारकों से 10 नवंबर तक टिप्पणियां मांगी हैं। इरडा ने कहा कि प्रस्तावित नियमनों का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि बीमा कंपनियां और बीमा मध्यवर्ती इकाइयां विज्ञापन जारी करते समय ईमानदार और पारदर्शी नीतियां अपनाएं और ऐसे व्यवहार से बचें जिनसे आम जनता के भरोसे को चोट पहुंचती हो। इस नियमन का एक और उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रचार सामग्री तार्किक, उचित तथा आसान भाषा में हो। लोग इनसे सही जानकारी प्राप्त करें और निर्णय कर सकें। मसौदे में कहा गया है कि अनुबंध की शर्तों का सही तरीके से खुलासा करने में विफल विज्ञापनों को भी भ्रामक माना जाएगा। बीमा कंपनी के मौजूदा प्रदर्शन के लिहाज से वास्तविकता से हटकर दावे करने वाले विज्ञापनों को भी भ्रामक की श्रेणी में रखा जाएगा।

रेलिगेयर एंटरप्राइजेज ने कहा, कुछ निवेशक आरएफएल में हिस्सेदारी लेने के इच्छुक

नयी दिल्ली, रेलिगेयर एंटरप्राइजेज की धोखाधड़ी से प्रभावित इकाई रेलिगेयर फिनवेस्ट में हिस्सेदारी लेने में कुछ वैश्विक और घरेलू निवेशकों ने रुचि दिखाई है। इससे कंपनी को ऋणदाताओं का बकाया चुकाने में मदद मिलेगी। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस साल मार्च में रेलिगेयर एंटरप्राइजेज के अपनी दो अनुषंगियों रेलिगेयर फिनवेस्ट लि. (आरएफएल) तथा रेलिगेयर हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन के टीसीजी एडवाइजरी सर्विसेज को बिक्री के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। ऋण समाधान प्रक्रिया के तहत कंपनी दोनों अनुषंगियों में अपनी हिस्सेदारी को 330 करोड़ रुपये में बेचने की योजना बना रही है। बैंकिंग सूत्रों ने बताया कि रेलिगेयर एंटरप्राइजेज ने हालिया बैठक में आरएफएल के लिए कुछ निवेशकों को बैंकों से मिलवाया था। ऋण पुनर्गठन के बारे में पूछे जाने पर आरएफएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पंकज शर्मा ने कहा, ''ऋण पुनर्गठन प्रक्रिया जिस तरीके से बढ़ रही है उससे हम संतुष्ट हैं। ऋणदाताओं की दो सप्ताह पहले हुई बैठक अर्थपूर्ण और आगे की सोच वाली रही। हमने इस बैठक में बैंकरो से कुछ संभावित निवेशकों का भी परिचय कराया।''

महामारी की वजह से देश का लक्जरी कार बाजार 5-7 पीछे हुआ : ऑडी

नयी दिल्ली, कोरोना वायरस महामारी की वजह से देश का लक्जरी या महंगी कारों का बाजार पांच से सात साल पीछे चला गया है। जर्मनी की वाहन क्षेत्र की कंपनी ऑडी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने पीटीआई-भाषा से कहा कि लक्जरी कार के बाजार को फिर से 2014-15 के स्तर पहुंचने के लिए दो से तीन साल लगेंगे। उन्होंने कहा कि कोविड-19 की वजह से आई दिक्कतों के बाद अब स्थिति सुधर रही है। हालांकि, हमारी बिक्री में अगले साल ही निचले आधार प्रभाव पर वृद्धि देखने को मिलेगी। ढिल्लों ने कहा, ''हम सभी कह रहे हैं कि बिक्री बढ़ रही है और धारणा सकारात्मक हुई है। हम भी अगले साल वृद्धि दर्ज करेंगे। आधार प्रभाव काफी नीचे चला गया है।'' उन्होंने कहा, ''2014-15 में हमने जितनी कारें बेची थीं, हम उस स्तर पर तत्काल अगले साल नहीं पहुंच पाएंगे। ऐसे में महामारी ने हमें पांच से सात साल पीछे कर दिया है।'' 2014 में भारत में लक्जरी कारों की बिक्री 30,000 इकाई रही थी।

एफपीआई ने अक्टूबर में भारतीय बाजारों में 17,749 करोड़ रुपये डाले

नई दिल्ली।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने कंपनियों के उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों के बीच अक्टूबर में अब तक भारतीय बाजारों में शुद्ध रूप से 17,749 करोड़ रुपये डाले हैं। इसके अलावा कारोबार खुलने से भारतीय बाजारों के प्रति विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एक से 23 अक्टूबर के दौरान एफपीआई ने शेयरों में शुद्ध रूप से 15,642 करोड़ रुपये का निवेश किया। इस दौरान ऋण या बांड बाजार में उन्होंने 2,107 करोड़ रुपये डाले। इस तरह उनका शुद्ध निवेश 17,749 करोड़ रुपये रहा। सितंबर में एफपीआई ने 3,419 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की थी। ग्रो के सह-संस्थापक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) हर्ष जैन ने कहा कि भारतीय बाजारों में एफपीआई का निवेश ऐसे समय आया है जबकि ज्यादातर उभरते बाजारों मसलन ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, ताइवान और थाइलैंड में 2020 में शुद्ध निकासी का सिलसिला देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि विदेशी निवेशकों का मानना है कि तात्कालिक के साथ-साथ दीर्घावधि में भारत का प्रदर्शन अच्छा रहेगा। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, 'वैश्विक बाजारों में पर्याप्त तरलता की वजह से चिंताओं के बीच भारतीय शेयरों में एफपीआई का निवेश आ रहा है। इसके अलावा अर्थव्यवस्था के खुलने, कारोबारी गतिविधियां शुरू होने तथा उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों की वजह से भारतीय बाजारों के प्रति विदेशी निवेशकों का आकर्षण बना हुआ है।'

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया गवर्नर शक्तिकांत दास कोरोना संक्रमित पाए गए, खुद को किया आइसोलेट

नई दिल्ली:

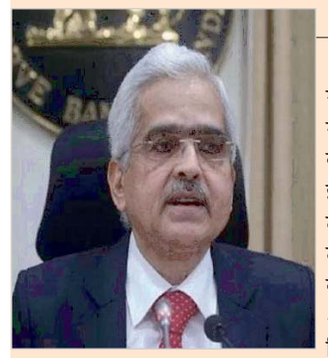

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शक्तिकांत दास कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। उन्होंने खुद को आइसोलेट कर लिया है। इसकी जानकारी उन्होंने खुद ट्वीट कर दी। शक्तिकांत दास ने ट्वीट कर कहा कि मैं कोरोना कोरोना पॉजिटिव पाया गया हूं और खुद को आइसोलेट कर लिया है। उन्होंने संपर्क में आए लोगों से सचेत किया है। आरबीआई में काम सामान्य रूप से चलेगा। मैं सभी ष्ठ4 के संपर्क में हूं। टेलीफोन के माध्यम से कुलपति, सरकार और अन्य अधिकारी के संपर्क में रहूंगा।

खुला क्षेत्र लाइसेंस नीति की चार दौर की निविदाओं से अब तक 7.5 करोड़ डॉलर का निवेश

नयी दिल्ली, तेल गैस क्षेत्र 44खुला क्षेत्र लाइसेंस नीति (ओएएलपी) के तहत शुरुआत के दो साल में केयर्न ऑयल एंड गैस जैसी कंपनियों ने 2.3 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता में से महज 7.5 करोड़ डॉलर (करीब 550 करोड़ रुपये) खर्च किये हैं। हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) ने इसकी जानकारी दी है। सरकार ने तेल एवं गैस की खेज को तेज करने तथा घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिये 2018 में ओएएलपी के तहत पहले दौर की नीलामी शुरू की थी। इसके तहत खोज करने वाली कंपनियों को ऐच्छिक क्षेत्र चुनने की सुविधा मिलती है। सरकार ने बृहस्पतिवार को पांचवें दौर में चुनी गयी कंपनियों की घोषणा की। इसके साथ ही अब तक पांच दौर पूरा हो चुका है। शुरुआती चार दौर में वेदांता समूह की कंपनी केयर्न ऑयल एंड गैस, सरकारी कंपनी ओएनजीसी और ऑयल इंडिया लिमिटेड जैसी कंपनियों ने 2.317 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जाहिर की है। ये निवेश 99 ब्लॉकों में किये जाने हैं। हालांकि डीजीएच के आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च 2020 तक महज 7.5 करोड़ डॉलर का ही निवेश किया जा सका है। केयर्न वेदांता को ओएएलपी के पहले दौर में 55 तेल एवं गैस खंडों में से 41 हासिल हुए। कंपनी ने इनमें 81.5 करोड़ डॉलर निवेश करने की प्रतिबद्धता जाहिर की। हालांकि डीजीएच ने कहा कि वह इनमें से महज 4.6 करोड़ डॉलर का ही निवेश कर पायी है।

बुनियादी ढांचा पर 37,000 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च के लिए संसद की मंजूरी लेगी सरकार

नई दिल्ली।

सरकार बुनियादी ढांचा विकास पर 37,000 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च के लिए संसद से अनुपूरक मांगों की दूसरी सूची की मंजूरी के अंतर्गत मंजूरी लेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसी महीने सड़क, रक्षा, जलापूर्ति, शहरी विकास और घरेलू स्तर पर उत्पादित पूंजीगत उपकरणों की खरीद जैसे कार्यों पर पूंजीगत व्यय के लिए 25,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त बजट की घोषणा की है। इसके अलावा केंद्र ने राज्यों के बुनियादी ढांचा विकास के लिए 12,000 करोड़ रुपये के विशेष 50 साल के ब्याजमुक्त कर्ज की सुविधा दिए जाने की भी घोषणा की है।

तीसरे प्रोत्साहन पैकेज का हिस्सा

सूत्रों ने बताया कि अतिरिक्त खर्च के लिए दूसरी अनुपूरक मांगों के तहत मंजूरी ली जाएगी। त्योहारी सीजन के बीच सरकार द्वारा कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए यह तीसरे प्रोत्साहन पैकेज का हिस्सा है। ये 37,000 करोड़ रुपये 2020-21 के लिए सरकार द्वारा बजट में घोषित 4.13 लाख करोड़ रुपये के योजना-गत व्यय के अतिरिक्त होंगे। सरकार ने आत्मनिर्भर अभियान पैकेज के तहत विभिन्न योजनाओं पर अतिरिक्त खर्च के लिए पिछले महीने अनुपूरक मांगों की पहली सूचकी की मंजूरी ली थी। दूसरी अनुपूरक मांगों को आमतौर पर संसद के शीतकालीन सत्र में रखा जाता है। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने बुनियादी ढांचा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मंत्रालयों को आवश्वस्त किया है कि जरूरत होने पर वह अतिरिक्त पैसा भी मुहैया कराएगी। सरकार संशोधित अनुमान के स्तर के अलावा भी अतिरिक्त धन उपलब्ध कराने को तैयार है। वित्त मंत्री ने सीतारमण हाल में कहा था कि बुनियादी ढांचे और संपत्ति सजृन पर खर्च की जाने वाली राशि का अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव होता है। इससे न केवल मौजूदा अर्थव्यवस्था सुधरती है बल्कि भविष्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भी सुधार होता है। सीतारमण ने पिछले महीने कोयला एवं पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस के तहत आने वाले सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों से कहा था कि वे दिसंबर तक अपने 2020-21 के अपने पूंजीगत व्यय का 75 प्रतिशत खर्च करें।

एफपीआई ने अक्टूबर में भारतीय बाजारों में 17,749 करोड़ रुपये डाले

नयी दिल्ली.

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने कंपनियों के उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों के बीच अक्टूबर में अब तक भारतीय बाजारों में शुद्ध रूप से 17,749 करोड़ रुपये डाले हैं। इसके अलावा कारोबार खुलने से भारतीय बाजारों के प्रति विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एक से 23 अक्टूबर के दौरान एफपीआई ने शेयरों में शुद्ध रूप से 15,642 करोड़ रुपये का निवेश किया। इस दौरान ऋण या बांड बाजार में उन्होंने 2,107 करोड़ रुपये डाले। इस तरह उनका शुद्ध निवेश 17,749 करोड़ रुपये रहा। सितंबर में एफपीआई ने 3,419 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की थी। ग्रो के सह-संस्थापक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) हर्ष जैन ने कहा कि भारतीय बाजारों में एफपीआई का निवेश ऐसे समय आया है जबकि ज्यादातर उभरते बाजारों मसलन ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, ताइवान और थाइलैंड में 2020 में शुद्ध निकासी का सिलसिला देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि विदेशी निवेशकों का मानना है कि तात्कालिक के साथ-साथ दीर्घावधि में भारत का प्रदर्शन अच्छा रहेगा। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''वैश्विक बाजारों में पर्याप्त तरलता की वजह से चिंताओं के बीच भारतीय शेयरों में एफपीआई का निवेश आ रहा है।

यस बैंक में लागत नियंत्रण की संस्कृति का अभाव, 2020-21 में परिचालन खर्च 20 प्रतिशत घटाएंगे - सीईओ

मुंबई,

यस बैंक में लागत नियंत्रण की संस्कृति का अभाव है और नए प्रबंधन के तहत निजी क्षेत्र का यह बैंक चालू वित्त वर्ष 2020-21 में परिचालन खर्च में 20 प्रतिशत की कटौती का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

यस बैंक के नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक निदेशक प्रशांत कुमार ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''बैंक पट्टे पर लिए गए गैरजरूरी स्थलों को वापस कर रहा है। साथ ही वह किराये वाली जगहों पर किराया दरें नए सिरे से तय करने के लिए बातचीत कर रहा है।'' कुमार ने कहा कि बड़े चूककर्ता अदालतों की शरण में जा रहे हैं जिससे मुंबई के इस बैंक को ऋण वसूली में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यस बैंक के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी राणा कपूर के कार्यकाल में कामकाज के संचालन में कई खामियां सामने आने के बाद भारतीय स्टेट बैंक की अगुवाई में बैंकों के गठजोड़ ने बैंक में पूंजी डॉलकर इसे 'बचाया' था। उसके बाद मार्च में कुमार को बैंक का नया प्रमुख नियुक्त किया गया था। सितंबर तिमाही में बैंक के परिचालन लाभ में 21 प्रतिशत की गिरावट आई थी। कुमार ने कहा, ''दुर्भाग्य की बात यह है कि बैंक में लागत पर कोई नियंत्रण नहीं है।'' उन्होंने बताया कि एक वैश्विक परामर्शक ने चालू वित्त वर्ष में 2019-20 की तुलना में परिचालन खर्च में 20 प्रतिशत की कमी लाने के लिए कदम-दर-कदम एजेंडा सुझाया है। कुमार ने कहा कि बैंक ने मध्य मुंबई के इंडियाबुल्स फाइनेंस सेंटर में पहले ही दो फ्लोर छोड़ दिए है। इसके अलावा बैंक सभी 1,100 शाखाओं के लिए किराये पर नए सिरे से बातचीत कर रहा है।

उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया से बैंक को किराये में करीब 20 प्रतिशत की कमी आने की उम्मीद है। परिचालन को तर्कसंगत बनाने के कदम के तहत बैंक 50 शाखाओं को भी बंद कर रहा है। कुमार ने कहा कि कई शाखाएं बिल्कुल पास-पास स्थित हैं। ऐसे में ये आर्थिक दृष्टि से व्यावहारिक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि एटीएम की संख्या को भी सुसंगत किया जा रहा है।

आरआईएनएल, पॉस्को आंध्र प्रदेश में संयुक्त इस्पात परियोजना के लिए तैयार कर रहे हैं रिपोर्ट

नयी दिल्ली, सार्वजनिक क्षेत्र की राष्ट्रीय इस्पात निगम लि. (आरआईएनएल) तथा दक्षिण कोरिया की कंपनी पॉस्को ने आंध्र प्रदेश में नए इस्पात कारखाने के लिए व्यवहार्यता-पूर्व रिपोर्ट तैयार करने को एक संयुक्त कार्यसमूह का गठन किया है। एक सरकारी सूत्र ने यह जानकारी दी। इससे पहले पॉस्को के प्रतिनिधियों तथा इस्पात मंत्रालय के अधिकारियों की जुलाई, 2020 में वर्चुअल बैठक हुई थी। उसमें मंत्रालय ने उसे आरआईएनएल के साथ हुए अपने सहमति ज्ञापन (एमओयू) के क्रियान्वयन के लिए संयुक्त कार्यसमूह बनाने को कहा गया था। यह एमओयू विशाखापत्तनम में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आरआईएनएल के स्वामित्व वाली जमीन पर निवेश के बारे में था। इस्पात मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा, ''पॉस्को ने विशाखापत्तनम में इस्पात संयंत्र लगाने की इच्छा जताई है। व्यवहार्यता पूर्व अध्ययन के लिए एक संयुक्त कार्यसमूह बनाया गया है।'' सूत्र ने बताया कि कार्यसमूह इस्पात मंत्रालय को कार्य में हुई प्रगति से अवगत कराएगा। पॉस्को और आरआईएनएल के बीच काफी समय से संयुक्त उद्यम में विशेष ग्रेड के मूल्यवर्धित इस्पात के विनिर्माण के लिए संयंत्र लगाने की बातचीत चल रही है। आरआईएनएल के साथ संयुक्त उद्यम के जरिये पॉस्को भारत के तेजी से बढ़ते इस्पात बाजार में प्रवेश कर सकेगी।

तीन आवासीय परियोजनाओं में 1,350 करोड़ रुपये का निवेश करेगी बिड़ला एस्टेट्स

नई दिल्ली।11541

बी के बिड़ला समूह की रीयल एस्टेट कंपनी बिड़ला एस्टेट्स ने तीन मौजूदा आवासीय परिसरों पर 1,350 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। कंपनी का हर साल तीन-चार नई परियोजनाएं शुरू करने का इरादा है। कंपनी का अगले पांच साल के दौरान देश की शीर्ष रीयल्टी कंपनियों में शामिल होने का लक्ष्य है।

तीन आवासीय परियोजनाएं शुरू

बिड़ला एस्टेट्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के टी जितेंद्रन ने कहा कि कंपनी ने अभी तक तीन आवासीय परियोजनाएं शुरू की हैं। कंपनी विस्तार की तैयारी कर रही है। जितेंद्रन ने कहा कि कंपनी गुणवत्ता और समय पर आपूर्ति पर ध्यान दे रही है। मांग अब भरोसे वाले बिल्डरों के पास केंद्रित हो रही है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने हाल में हरियाणा के गुरुग्राम में 47 एकड़ की आवासीय परियोजना शुरू की है। इनमें 764 स्वतंत्र फ्लोर बनाए जा रहे हैं। महामारी के दौर में भी इस परियोजना को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

दाम 1.3 से 3 करोड़ रुपये

इस परियोजना में प्रत्येक इकाई का दाम 1.3 से 3 करोड़ रुपये है। यह परियोजना दिल्ली की अनंत राज लि.के साथ समान भागीदारी वाले संयुक्त उद्यम के रूप में है। निवेश के बारे में पूछे जाने पर जितेंद्रन ने कहा कि इसमें निर्माण की लागत अनुमानत- 550 करोड़ रुपये बैठेगी। मुंबई की बिड़ला एस्टेट्स सेंचुरी टेक्सटाइल्स एंड इंडस्ट्रीज लि. का का संयुक्त उद्यम है। कंपनी मुंबई में भी 22 एकड़ में आवासीय परियोजना का विकास कर रही है। इस परियोजना की लागत करीब 650 करोड़ रुपये है। इसके अलावा कंपनी बेंगलुरु में 150 करोड़ रुपेय की लागत से एक आठ एकड़ की परियोजना का विकास कर रही है।

डब्ल्यूटीओ सचिवालय में स्थिर है भारत के कर्मचारियों का अनुपात 25 साल से एक ही जगह अटका है

नयी दिल्ली,

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सचिवालय में भारत के कर्मचारियों का अनुपात संख्या पिछले 25 साल से एक जगह स्थिर है।भारत ने इसे बढ़ाने के प्रबंध किए जान की वकालत की है। भारत ने कहा है कि कम जनसंख्या वाले उसके समतुल्य देशों के अधिक कर्मचारी सचिवालय में हैं। ऐसा तब है जबकि भारत के पेशेवरों ने दुनिया भर में अपने कौशल व प्रतिभा की छोप छोड़ी है। डब्ल्यूटीओ की बजट, वित्त एवं प्रशासन समिति की 22 अक्टूबर को हुई बैठक में भात ने एक बयान में कहा, ''पिछले 25 साल से भारत समेत कई सदस्य देशों के कर्मचारियों की आनुपातिक संख्या स्थिर है। उदाहरण के लिये, 1995 में डब्ल्यूटीओ के कुल कर्मचारियों में भारत की हिस्सेदारी 2.2 प्रतिशत थी, जो अब कम होकर 2.1 प्रतिशत पर आ गयी है। मतलब कोई बदलाव नहीं, जबकि पेशेवर कर्मचारी क्षमता में भारत की हिस्सेदारी 1995 के 4.1 प्रतिशत से कम होकर 2019 में 3.5 प्रतिशत पर आ गयी है।'' बजट, वित्त एवं प्रशासन समिति विश्व व्यापार संगठन के बजट और महानिदेशक द्वारा प्रस्तुत वित्तीय विवरण की समीक्षा करता है। यह वित्तीय और प्रशासनिक मामलों पर भी चर्चा करती है, जो सामान्य परिषद या महानिदेशक द्वारा इसके लिये संदर्भित हैं। सीबीएफए सभी डब्ल्यूटीओ सदस्यों के लिए खुला है। यह प्रति वर्ष सात से दस बार बैठक करती है। भारत ने यह भी कहा कि कर्मचारियों की भर्ती का रुख कुछ चुनिंदा सदस्यों के पक्ष में है। भारत ने कहा, ''ऐसा नहीं है कि भारतीय या अन्य विकासशील देशों के लोगों की इस संगठन के सचिवालय में काम करने की पर्याप्त रुचि नहीं है। वास्तव में, 2019 में, कर्मचारियों की श्रेणियों में सबसे अधिक आवेदक भारत से थे।÷ भारत ने कहा ऐसे महज पांच देश, जिनकी सदस्यता में हिस्सेदारी महज तीन प्रतिशत है, कर्मचारियों की संख्या में उनकी हिस्सेदारी करीब 50 प्रतिशत है। आश्चर्य नहीं कि ये सभी विकसित देश हैं। भारत ने कहा, ''अत- हम सचिवालय की विविधता बढ़ाने के लिये और अधिक उपायों व सक्रिय प्रयासों का आह्वान करते हैं।

अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे सुधार की ओर, पर बेरोजगारी चिंता का विषय

नई दिल्ली।

उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.9 प्रतिशत की गिरावट आएगी। पीएचडीसीसीआई ने कहा है कि अब बुरा समय बीत चुका है और भारतीय अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे सुधार की रहा पर है।

सबसे बड़ी चुनौती बेरोजगारी

उद्योग मंडल ने हालांकि कहा कि सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती बेरोजगारी है। पीएचडीसीसीआई ने यह निष्कर्ष 25 प्रमुख आर्थिक संकेतकों के आधार पर निकाला है। इनसे संकेत मिलता है कि कारोबारी गतिविधियों अब सामान्य हो रही हैं। पीएचडीसीसीआई ने एक रिपोर्ट में कहा कि बेरोजगारी की दर अब भी चिंता का विषय है। अगस्त में यह बढ़कर 8.3 प्रतिशत हो गई, जो जुलाई में 7.4 प्रतिशत थी।

व्यापार बढ़ाने पर ध्यान

पीएचडीसीसीआई ने कहा कि आगे चलकर भारत को चीन से आयात समाप्त करने और मित्र अर्थव्यवस्थाओं के साथ व्यापार बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके अलावा घरेलू क्षमता का निर्माण करना चाहिए। साथ ही आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए घरेलू उत्पादन का स्तर बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए।

अर्थव्यवस्था में सुधार

पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि निर्यात उत्पादों के पोर्टफोलियो का अधिक देशों और साथ ही अधिक उत्पादों के हिसाब से विविधीकरण करने की जरूरत है। अग्रवाल ने कहा कि सरकार द्वारा पिछले छह माह के दौरान उठाए गए कदमों की वजह से अब अर्थव्यवस्था में सुधार दिखने लगा है।

शीर्ष 10 में छह कंपनियों की बाजार हैसियत चढ़ी 86,684 करोड़ रुपये, एचडीएफसी का बड़ा योगदान

नयी दिल्ली,

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (एमकैप) में 86,638.71 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गयी। एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक के मूल्यांकन में सबसे अधिक बढोतरी हुई। इनके बाद आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल और एचसीएल टेक्नोलॉजीज का स्थान रहा। हालांकि इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) और इंफोसिस के बाजार पूंजीकरण में गिरावट देखी गयी। इस दौरान देश के निजी क्षेत्र के अग्रणी बैंक एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 20,198.59 करोड़ रुपये बढ़कर 6,80,092.72 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी के बाजार पूंजीकरण में 18,146.58 करोड़ रुपये की वृद्धि देखी गयी और यह 3,70,132.82 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मूल्यांकन 17,894.22 करोड़ रुपये बढ़कर 2,9,962.13 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का एम-कैप 14,415.27 करोड़ रुपये बढ़ाकर 2,87,490.70 करोड़ रुपये, कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार मूल्यांकन 9,204.18 करोड़ रुपये बढ़कर 2,73,760.15 करोड़ रुपये और एचसीएल टेक्नोलॉजीज का मूल्यांकन 6,824.87 करोड़ रुपये बढ़कर 2,31,272.11 करोड़ रुपये हो गया। इसके विपरीत, आरआईएल का मूल्यांकन 42,567.02 करोड़ रुपये घटकर 14,28,514.26 करोड़ रुपये पर आ गया। इसी तरह टीसीएस का मार्केट कैप 28,536.89 करोड़ रुपये घटकर 10,08,059.39 करोड़ रुपये, इंफोसिस का 2,385.23 करोड़ रुपये घटकर 4,77,906.02 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 1,574.2 करोड़ रुपये घटकर 5,03,756.61 करोड़ रुपये रह गया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रीमियर लीग : मैनचेस्टर युनाइटेड और चेल्सी का मैच गोलरहित ड्रॉ

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर युनाइटेड और चेल्सी के बीच इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में खेला गया मुकाबला बिना किसी गोल के गोलरहित ड्रॉ रहा। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को खेले गए इस मैच के ड्रॉ रहने के बाद दोनों टीमों को अंक बांटने पर मजबूर होना पड़ा। इससे चेल्सी अब छह मैचों में नौ अंकों के साथ छठे नंबर पर पहुंच गई है जबकि युनाइटेड पांच मैचों में सात अंकों के साथ 15वें नंबर पर है। युनाइटेड की टीम 1972-73 सीजन के बाद से पहली बार लीग के पहले तीन मैचों में से एक भी मैच जीतने सफल नहीं रही है। टीम को अपना अगला मुकाबला बुधवार को लिपजिग के साथ खेलना है। लीग के एक अन्य मैच में वेस्ट हैम युनाइटेड और मैनचेस्टर सिटी के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा। वेस्ट हैम के लिए एंटोनियो ने 18वें मिनट में जबकि मैनचेस्टर सिटी के लिए फोडेन ने 51वें मिनट में गोल किया।

चेन्नई ने बेंगलुरु पर 8 विकेट से दर्ज की बड़ी जीत

स्पोर्ट्स डेस्क।

चेन्नई सुपर किंग्स बैंगलोर को 8 विकेट से मैच हरा दिया। इस मैच में चेन्नई के सलामी बल्लेबाज रुतुराज ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली और टीम को बड़ी जीत दिलाने में कामयाब हुए। इस मैच में धोनी के बल्ले से भी रन निकले और उन्होंने गायकवाड़ के साथ मिलकर अच्छी साझेदारी निभाई और 145 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया।

पहले बल्लेबाजी के लिए आरसीबी की टीम के लिए विराट कोहली ने अर्धशतक लगाया और एबी डिविलियर्स के साथ क्रीज पर पर्याप्त समय बिताया लेकिन इसके बावजूद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) रविवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स की कसी हुई गेंदबाजी के सामने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में छह विकेट पर 145 रन ही बना पाया।

जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई ने शानदार शुरुआत की। ओपनर गायकवाड़ और फाफ डु प्लेसिस ने पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़े। चेन्नई को पहला झटका फाफ डु प्लेसिस के रूप में लगा जब वह क्रिस मॉरिस की गेंद पर सिराज को कैच थमा बैठे। फाफ ने 13 गेंदों में दो चौके और दो छक्कों की मदद से 25 रन बनाए।

इससे पहले धीमी पिच पर आरसीबी के लिए रन बटोरना आसान नहीं था। कोहली ने 43 गेंदें खेली और 50 रन बनाए लेकिन इसमें केवल एक चौका और एक छक्का शामिल है। डिविलियर्स 36 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 39 रन ही बना पाये। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की। आरसीबी ने अंतिम तीन ओवरों में केवल 20 रन बनाए और इस बीच चार विकेट गंवाए।

चेन्नई की तरफ से सैम कुरेन ने तीन ओवर में 19 रन देकर तीन जबकि दीपक चाहर ने चार ओवर में 31 रन देकर दो विकेट लिए। आरसीबी ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। आरोन फिंच (11 गेंदों पर 15) और देवदत्त पडिक्कल (21 गेंदों पर 22) ने पहले विकेट के लिये 31 रन ही जोड़े और फिर से लंबी भागीदारी निभाने में नाकाम रहे। पडिक्कल का कैच फाफ डु प्लेसिस के बेहतरीन प्रयास से सीमा रेखा पर रितुराज गायकवाड़ ने लिया।

डिविलियर्स और कोहली चेन्नई के स्पिनरों इमरान ताहिर (चार ओवरों में 30 रन), मिशेल सेंटनर (चार ओवर, 23 रन एक विकेट) और रविंद्र जडेजा (तीन ओवर में 20 रन) के सामने बीच के ओवरों में खुलकर नहीं खेल पाए। कोहली ने 28वीं गेंद का सामना करते हुए अपना पहला चौका लगाया। आरसीबी 15वें ओवर में तिहरे अंक में पहुंचा।

कोहली ने आखिर में जडेजा पर पारी का दूसरा छक्का लगाया। यह आईपीएल में उनका 200वां छक्का है। वह यह उपलब्धि हासिल करे वाले पांचवें बल्लेबाज हैं। इस सूची में क्रिस गेल (336 छक्के) के बाद दूसरे नंबर पर काबिज डिविलियर्स (231) अपनी पारी का पहला छक्का जडने के प्रयास में लांग आन पर कैच दे बैठे। मोईन अली (01) ने भी कैच का अभ्यास कराया। कोहली ने 42 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया लेकिन इसके बाद डुप्लेसिस के बेहतरीन प्रयास से पवेलियन लौट गए। क्रिस मौरिस (दो) भी आखिरी ओवरों में जलवा नहीं दिखा पाये।

सिडनी थंडर्स की खिलाड़ी डब्ल्यूबीबीएल-6 के दौरान घुटने के बल बैठेंगी

सिडनी।

सिडनी थंडर्स की खिलाड़ी रविवार से शुरू हुए महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में नस्लवाद के खिलाफ वैश्विक विरोध के समर्थन में एक घुटने पर बैठेंगी। यह फैसला डब्ल्यूबीबीएल-6 में सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ पहले मैच की सुबह लिया गया। यह मैच बिना एक भी गेंद फेंके रद्द हो गया। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, सभी टीमें मैच से पहले घेरा बनाकर अपना समर्थन देने को प्रतिबद्ध हैं लेकिन क्लबों को घुटने पर बैठना है या नहीं यह फैसला क्लबों पर छोड़ दिया गया है। टीम की कप्तान रचेल हायनेस ने कहा कि यह फैसला सर्वसम्मति से लिया गया है। रचेल ने कहा, खिलाड़ी चाहती थीं कि हम नस्लवाद के खिलाफ एक घुटने पर बैठकर अपना विरोध दर्ज कराएं। उन्होंने कहा, यह वो टूर्नामेंट है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी खेलते हैं और इसे पूरे विश्व में देखा जाता है। हम बताना चाहते हैं कि हम नस्लवाद के खिलाफ खड़े हुए हैं। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबादा ने कहा था कि वह खिलाड़ियों को नस्लवाद के खिलाफ बोलना चाहिए। रबादा इस समय आईपीएल-13 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल रहे हैं। अमेरिका में पुलिस हिरासत में अश्वेत शख्स जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के बाद इस ब्लैक लाइव्स मैटर नाम के आंदोलन ने जोर पकड़ लिया है था और पूरे विश्व में इस आंदोलन के समर्थन में कई लोग आए थे जिसमें खिलाड़ी भी शामिल थे।

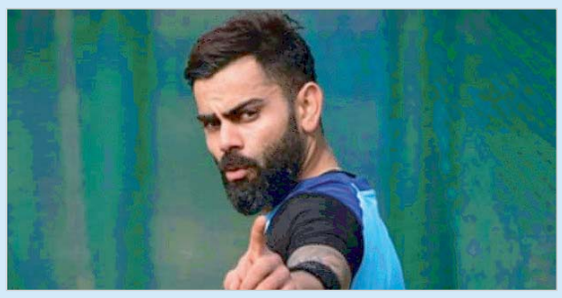

आईपीएल में 200 छक्के लगाने वाले तीसरे भारतीय बने कोहली

दुबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 200 छक्के लगाने वाले तीसरे भारतीय बन गए हैं। कोहली ने रविवार को यहां दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे के आईपीएल के 13वें सीजन के 44वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 43 गेंदों पर 50 रनों की अपनी पारी के दौरान एक चौका और एक छक्का लगाया। कोहली से ऊपर अब मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा और चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी हैं। रोहित ने आईपीएल में अब तक 209 जबकि धोनी ने 216 छक्के लगाए हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम हैं, जिन्होंने अब तक 336 छक्के उड़ाए हैं। उनके बाद कोहली के टीम साथी अब्राहम डिविलियर्स हैं, जिन्होंने अब तक 231 छक्के लगाए हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में कोहली टॉप पर हैं। उन्होंने अब तक 5827 रन बनाए हैं।

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना एकमात्र लक्ष्य : अर्चना कामत

नई दिल्ली ।

वर्ष 2018 के युवा ओलंपिक की सेमीफाइनलिस्ट टेबल टेनिस खिलाड़ी अर्चना कामत का एकमात्र लक्ष्य अगले वर्ष होने वाले टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना है। अर्चना कामत टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) विकास समूह का एक हिस्सा हैं और 2018 यूथ ओलंपिक की सेमीफाइनलिस्ट हैं। उन्हें राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में शामिल किया गया है। भारतीय खेल प्राधिकरण ने टेबल टेनिस के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर को मंजूरी दे दी है। यह शिविर सोनीपत में 28 अक्टूबर से 8 दिसंबर तक आयोजित होगा। शिविर के माहौल में वापस आकर और लंबे समय के बाद अपने साथी खिलाड़ियों से मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए अर्चना ने कहा, ''मैं बेंगलुरू में घर पर ही ट्रेनिंग कर रही थी लेकिन एक ऐसे शिविर के माहौल में वापसी की उम्मीद कर रही थी, जहां मैं लंबे समय के बाद भारतीय टीम के अपने साथी खिलाड़ियों से मिलकर उनके साथ खेल सकूं।% कामत ने कहा कि उनका अंतिम लक्ष्य ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना और उनमें खेलना है। फिलहाल वर्तमान में वह सिफ 'एक समय में एक मैच की सोच पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। इस शिविर में 11 खिलाड़ी (5 पुरुष, 6 महिला) और चार सहायक कर्मचारी शामिल होंगे। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ सोनीपत के दिल्ली पब्लिक स्कूल में इस शिविर का आयोजन करेगा। शिविर के लिये लगभग 18 लाख रुपये स्वीकृत किये गये हैं। इसमें हवाई यात्रा और चिकित्सा व्यय भी शामिल है। शिविर में शामिल होने वाले खिलाड़ी स्कूल में मौजूद आवासीय परिसर में रहेंगे। खेल गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन किया जायेगा। इस वर्ष मार्च में कोरोना वायरस के कारण देशव्यापी पूर्ण बंदी की घोषणा के बाद टेबल टेनिस के लिए यह पहला राष्ट्रीय शिविर आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रमंडल खेलों के चार बार के स्वर्ण पदक विजेता अचंत शरत कमल पुरुषों के प्रशिक्षण समूह का हिस्सा होंगे। उनके साथ मानुष शाह, मानव ठक्कर, सुधांशु ग्रोवर और जुबिन कुमार भी प्रशिक्षण शिविर में शामिल होंगे। महिला प्रशिक्षण समूह में अनुषा कुटुम्बले, दीया चितले, सुतीर्था मुखर्जी, अर्चना कामत, तकमी सरकार और कौशानी नाथ भाग लेंगी।

संक्षिप्त समाचार

पडिकल की तकनीक हेडन की तरह : मौरिस

दुबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बल्लेबाज देवदत्त पडिकल की तकनीक आस्ट्रेलिया के मैथ्यू हेडन के समान है। यह कहना है बेंगलोर के हरफनमौला खिलाड़ी क्रिस मौरिस का। आईपीएल-13 से लीग में पदार्पण करने वाले पडिकल ने 11 मैचों में 343 रन बनाए हैं और वह लीग में टीम के दूसरे सर्वोच्च स्कोरर हैं। मौरिस ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में कहा, पडिकल, एरॉन फिंच के साथ मिलकर अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। उनकी बल्लेबाजी मैथ्यू हेडन की तरह है। उन्होंने कहा, उनकी कद काठी हेडन की तरह नहीं है, हेडन का सीना बड़ा है। लेकिन उनकी तकनीक और गेंद को मारने का तरीका उनके सामन ही है। वह जिस तरह से मैदान पर अपने आप को संभालते हैं वो शानदार है। आप उनकी तरफ देखते हैं तो लगता है कि उनमें कोई बात है। पडिकल ने इस सीजन तीन अर्धशतक जमाए हैं।

हमें चीजों को समझने के लिए कुछ दिनों का वक्त मिला : मोर्गन

अबू धाबी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शनिवार को शानदार जीत दर्ज करने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा कि उनकी टीम को चीजों को समझने का समय मिला और यह जीत की एक वजह रहा। कोलकाता ने दिल्ली के खिलाफ बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों अच्छी की। कोलकाता ने नरेन (64) और नीतीश राणा (81) के बीच हुई 115 रनों की साझेदारी के दम पर दिल्ली के सामने 195 रनों की चुनौती रखी थी। दिल्ली यह लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई। कोलकाता के लिए वरुण चक्रवर्ती ने पांच विकेट लिए। मैच के बाद मोर्गन ने कहा, हमें चीजों को देखने समझने के लिए कुछ दिनों का समय मिला था। इस तरह के टूर्नामेंट में चीजों में फंस जाना आसान है। सुनील ने शानदार वापसी की और एक ऑलराउंडर की तरह खेले। नीतीश राणा और उन्होंने यह रन बनाए। उन्होंने कहा, नरेन को ऊपर बल्लेबाजी पर भेजने का फैसला प्रशिक्षकों का था। आपको इस तरह के टूर्नामेंट में मजबूत बल्लेबाजी क्रम की अपेक्षा लंबा बल्लेबाजी क्रम चाहिए होता है। इसलिए मैं नीचे बल्लेबाजी कर रहा हूं। वरुण को लेकर मोर्गन ने कहा, वरुण शानदार इंसान हैं। वह सिर्फ अपना काम करते हैं। पूरे टूर्नामेंट में वो शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

हार्ट अटैक के बाद स्वस्थ हुए कपिल देव, अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली।

भारत के पहले विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव को रविवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। 61 वर्षीय कपिल को गुरुवार को सीने में दर्द की शिकायत के बाद फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट के आपातकालीन विभाग में भार्ती कराया गया था। यहां उनकी एंजियोप्लास्टी की गई। अस्पताल ने एक बयान में कहा, %कपिल देव को आज दोपहर को छुट्टी दे दी गई। वह ठीक हैं और वह अपने रोजाना के कामकाज जल्द शुरू कर सकते हैं। डॉ. अतुल माथुर उनका रेगुलर फॉलोअप लेते रहेंगे। कपिल को गुरुवार रात 1 बजे भर्ती कराया गया था, जहां बाद में फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल के कार्डियलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. अतुल माथुर की निगरानी में उनकी इमर्जेंसी कोरोनरी एंजियोप्लास्टी की गई थी। सर्जरी के बाद कपिल ने शुक्रवार को पहली तस्वीर साझा की थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह बिल्कुल ठीक हैं और धीरे-धीरे स्वस्थ्य हो रहे हैं। कपिल ने सोशल मीडिया पर एक फोटो भी पोस्ट की थी, जिसमें वह अस्पताल के बिस्तर पर लेटे हुए थे और दोनों हाथों के अंगूठे को ऊपर उठाकर इशारा कर रहे थे कि सबकुछ ठीक है। फोटो में कपिल की बेटी आमिया भी उनके बगल में बैठी हुई थीं। कपिल ने सोशल मीडिया पर लिखा था, मैं अच्छा हूं और अब अच्छा महसूस कर रहा हूं। तेजी से स्वस्थ्य होने के रास्ते पर हूं। गोल्फ खेलने का इंतजार नहीं कर पा रहा। आप लोग मेरा परिवार हो। धन्यवाद। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद कपिल क्रिकेट से बतौर कोच और बतौर क्रिकेट कमेंटेटर जुड़े रहे हैं। कपिल देव एक समय पर टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे।

उन्होंने 1994 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। कपिल ने भारतीय टीम के लिए 131 टेस्ट और 225 वनडे इंटरनेशनल मैच खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में कपिल देव ने 5248 और वनडे क्रिकेट में 3783 रन बनाए हैं। कपिल देव लंबे समय तक भारतीय टीम के कप्तान रहे हैं।

अय्यर ने कहा, कोलकाता ने हमें एकतरफा हराया

अबू धाबी।

दिल्ली कैपिटल्स ने शनिवार को मिली हार के बाद कहा है कि कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें मैच से पूरी तरह से बाहर रखा था और एक तरफा हार दी। कोलकाता ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली के सामने 195 रनों का लक्ष्य रखा था। सुनील नरेन ने 64 और नीतीश राणा ने 81 रनों की पारी खेली और चौथे विकेट के लिए 115 रनों की साझेदारी की जिसके दम पर कोलकाता मजबूत स्कोर खड़ा कर पाई। गेंदबाजी में कोलकाता के लिए वरुण चक्रवर्ती ने पांच विकेट ले दिल्ली को हार को विवश किया। मैच के बाद अय्यर ने कहा, शुरुआत को देखते हैं तो, हमें उनपर दबाव बनाना चाहिए था और विकेट लेने चाहिए थे। लेकिन उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की, खासकर नरेन ने जिस तरह से हमारे गेंदबाजों के खिलाफ रन बनाए। वो शानदार था। हमें अपने प्लान को बेहतर तरीके से लागू करना था। मुझे लगता है कि उन्होंने गेंदबाज चुन लिए थे। उनका शॉट सेलेक्शन शानदार था। उन्होंन हमें हर विभाग में बाहर कर दिया था। उन्होंने कहा, उनकी सोच को सलाम। आप जब 190 (95) रनों का पीछा करते हो तो आपको अच्छी शुरूआत करनी होती है। पावरप्ले में दो विकेट गंवाने के बाद दूसरों पर काफी दबाव आ जाता है।

वॉर्नर ने कहा, हमें यह हार भूल आगे बढ़ना होगा

दुबई। सनराइजर्स हैदराबाद शनिवार को आईपीएल-13 के मैच में किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ जीतती दिख रही थी, लेकिन पंजाब के गेंदबाजों ने बाजी पलट दी और हैदराबाद के मुंह से जीत छीन ली। इस हार से निराश हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर ने कहा है कि उनकी टीम को यह हार भूल आगे बढ़ना होगा। हैदराबाद ने पंजाब को 126 रन ही बनाने दिए थे, लेकिन हैदराबाद यह स्कोर भी हासिल नहीं कर पाई। मैच के बाद वार्नर ने कहा, हां, इस तरह की हार चुभती है। हमारे गेंदबाजों ने अच्छा काम किया। हमें जो शुरुआत मिली उसके बाद हम राह भटक गए। निराशाजनक। उन्होंने कहा, हमें लगा था कि यह विकेट स्पिन होगी इसलिए इस पर खेलना मुश्किल होगा। हमने नई गेंद से अच्छी बल्लेबाजी की, लेकिन शुरुआत में विकेट नहीं ले सके। इस मैच को भूल आगे बढ़ने की जरूरत। हमें अगले मैच में शुरू से शुरुआत करनी है।

भारत को ओलंपिक पदक जिताने में योगदान देना मेरा सपना : प्रसाद

बेंगलुरू।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद ने कहा है अगले साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक में भारत को पदक जिताने में योगदान देना उनका सबसे बड़ा सपना है। प्रसाद ने कहा, ओलंपिक्स हमारे खेल का सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंट है और मेरा सबसे बड़ा सपना भारत को ओलंपिक पदक जिताने में योगदान देने का है। उन्होंने कहा, हमारी टीम बेहतर है, जो टोक्यो में इतिहास रचने के लिए विश्वास से भरी है और मेरा भी ध्यान विश्व की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ प्रतियोगिता करने पर है। अगर हम अपनी पूरी क्षमता के साथ खेले तो अगले साल टोक्यो से पदक के साथ लौटेंगे। प्रसाद ने कहा कि उन्हें अभी भी अपने खेल के कई पहलुओं में सुधार करना है और वह रोजाना बेहतर प्रदर्शन करने के लिए कप्तान मनप्रीत सिंह से बातचीत करते हैं। 20 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, मेरे करियर की अभी शुरूआत हुई है और मुझे अपने खेल के पहलुओं में काफी सुधार करना है। मैं भाग्यशाली हूं कि शानदार सीनियर मिले हैं जो हमेशा मुझे मार्गदर्शन देने के लिए तैयार रहते हैं। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि अपने आदर्श मनप्रीत सिंह के साथ खेलने को मिल रहा है। प्रसाद ने अपने छोटे से करियर में अब तक काफी सफलता का अनुभव हासिल कर चुके हैं। वह 2019 में भुवनेश्वर में एफआईएच पुरुषों के हॉकी सीरीज फाइनल्स में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के सदस्य थे।

इसके अलावा वह पिछले साल नवंबर में एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर्स में भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं। प्रसाद ने आगे कहा, मेरे लिए सपने की शुरुआत जैसी हुई और 2019 में एफआईएच साल के उभरते हुए खिलाड़ी अवॉर्ड से सम्मानित होने से मेरा विश्वास बढ़ा। हालांकि, मैं अपने प्रदर्शन से ही संतुष्ट हो सकता हूं। मैं भारतीय टीम के लिए लंबे समय तक निरंतर बेहतर प्रदर्शन करना चाहता हूं। यही मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, मैं बड़े टूर्नामेंटों जैसे एफआईएच पुरुष हॉकी सीरीज फाइनल्स भुवनेश्वर ओडिशा 2019 और एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर्स 2019 में टीम की जीत में योगदान देकर खुश हूं।

ऑस्ट्रेलियाई दौरे के कार्यक्रम को लेकर अनिश्चितता से भारत को फायदा होगा : चैपल

नई दिल्ली :

पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान इयान चैपल का मानना है कि भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला के कार्यक्रम और पृथकवास को लेकर अनिश्चितता की स्थिति का मेहमान टीम को फायदा मिल सकता है। इस बहुप्रतीक्षित दौरे के कार्यक्रम को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। कोविड-19 महामारी के कारण मैच जैव सुरक्षित वातावरण में खेले जाएंगे। चैपल ने लिखा है, 'असल में तैयारियों के इस अंतिम चरण में कार्यक्रम को लेकर अनिश्चितता इस बात की याद दिलाती है कि भारत के इस दौरे से पहले मेहमान टीमों को क्या करना होगा। दूसरे शब्दों में कहें तो इस अव्यवस्था में भारत लाभ की स्थिति में रहेगा।% ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज की टिप्पणी क्रिकेट विशेषज्ञ हर्षा भोगले की जनवरी 2008 में मंकीगेट मामले के बाद की टिप्पणी से प्रभावित है। चैपल ने कहा, 'इस अजीबोगरीब महामारी के दौर में आगामी दौरे को लेकर अराजकता की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में भारतीय कमेंटेटर हर्षा भोगले की बात याद आती है कि, 'भारतीय अराजकता की स्थिति से अच्छी तरह से पार पाक सकते हैं जबकि आस्ट्रेलियाई इससे परेशान होते हैं। भारत को आस्ट्रेलिया दौरे में तीन टी20, तीन वनडे और चार टेस्ट मैच खेलने हैं। भारतीय चयनकर्ताओं ने अभी तक दौरे के लिये टीम का चयन नहीं किया है। चैपल ने कहा, 'दोनों प्रतिद्वंद्वियों को लेकर हर्षा के आकलन को देखते हुए आस्ट्रेलिया को आगामी श्रृंखला को लेकर सतर्क रहना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आलिया भट्ट

के इंस्टाग्राम पर हुए 50 मिलियन फॉलोअर्स, फैन्स के लिए लिखा स्पेशल मैसेज

आलिया भट्ट के इंस्टाग्राम पर 50 मिलियन फॉलोअर्स हो गए हैं। इस खास मौके पर अनुष्का ने अपने फैन्स के लिए सोशल मीडिया पर स्पेशल मैसेज पोस्ट किया है। आलिया ने लिखा, थैंक्यू मेरा परिवार...आज आप लोगों ने मुझे 50 मिलियन प्यार दिया है। मैं आप सभी से बहुत प्यार करती हूं। आज इस मौके पर मैं आपसे कुछ शेयर करने वाली हूं जो मैंने पिछले कुछ महीनों में सीखा है। सोशल मीडिया हमें कनेक्ट करता है। यह हमें एंटरटेन करता है लेकिन यह हम नहीं। जब मेरे 5, 15 या 50 हजार फॉलोअर्स थे तब भी मैं खुश थी और आप सभी की आभारी थी जैसे आज हूं।

मैं वास्तव में विश्वास करती हूं कि हमारा जीवन उन रिश्तों से बना है जो हम लोगों के साथ बनाते हैं। किसी को भी एक बटन दबाकर ये महसूस कराने का अधिकार नहीं है कि वह किसी से कम या ज्यादा है।

तो जैसा कि मैंने कहा कि आज प्रशंसा दिन है। मैं चाहूंगी कि आप सभी खुद की सराहना करें। अपने दिमाग, अपनी बॉडी, अपने दिल और अपनी आत्मा की सराहना करें क्योंकि कोई पसंद या नापसंद, कोई फॉलो या अनफॉलो, कोई ट्रोल या पोल आपको नहीं बदल सकता है। आप जो खुद हैं उससे आपको कोई दूर कोई नहीं कर सकता है।

आलिया ने इस पोस्ट के जरिए उन ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है जो पिछले कुछ समय से नेपोटिज्म को लेकर आलिया पर निशाना साध रहे थे।

आलिया की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो वह फिल्म ब्रह्मास्त्र में नजर आने वाली हैं। फिल्म में आलिया के साथ रणबीर कपूर और अमिताभ बच्चन लीड रोल में हैं। इस फिल्म के जरिए रणबीर और आलिया पहली बार साथ काम करने वाले हैं। इसके अलावा आलिया फिल्म गंगुबाई कठियावाड़ी में भी नजर आएंगी। इस फिल्म को संजय लीला भंसाली डायरेक्ट करेंगे।

जब शाहरुख खान ने पत्नी गौरी को हनीमून पर बोला था झूठ, सालों बाद बताई थी यह सच्चाई

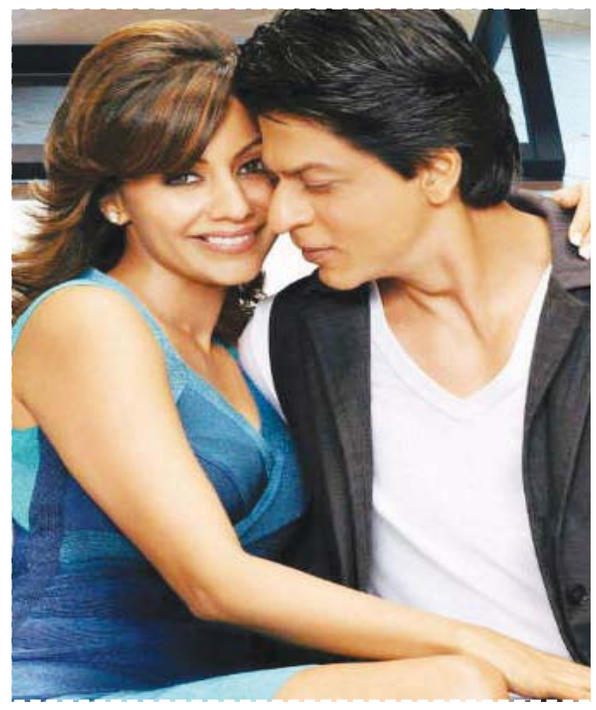

शाहरुख खान और गौरी खान की आज 29वीं शादी की सालगिरह है। दोनों बॉलीवुड के बेस्ट कपल्स में से एक हैं। आज दोनों की शादी की सालगिरह के मौके पर बताते हैं उस किस्से के बारे में जब शाहरुख ने गौरी को हनीमून के बारे में झूठ बोला था। हिन्दुस्तान टाइम्स के मोस्ट स्टाइलिश 2019 इवेंट के दौरान शाहरुख ने कहा था, जब हमारी शादी हुई थी तब मेरे पास ज्यादा पैसे नहीं थे। मैंने गौरी को वादा किया था कि शादी के बाद मैं उन्हें पेरिस लेकर जाऊंगा। लेकिन उस वक्त मेरे पास पैसे नहीं थे।

शाहरुख ने आगे बताया था, मैंने फिर गौरी से झूठ कहा और उन्हें विश्वास दिलाया कि हम पैरिस जा रहे हैं और लेकर उन्हें दार्जिलिंग गया। उस दौरान राजू बन गया जेंटल मेन की शूटिंग चल रही थी तो मैंने सोचा गौरी ने पेरिस तो वैसे भी कभी देखा नहीं होगा इसलिए मैं उसे पेरिस बोलेकर दार्जिलिंग ले गया।

बता दें कि शाहरुख ने गौरी से शादी करने के लिए काफी पापड़ बेले थे। किंग ऑफ बॉलीवुड बुक में अनुपमा चोपड़ा ने शाहरुख और गौरी के बारे में कुछ दिलचस्प बातें बताई थीं।

बुक में लिखा है कि गौरी के पिता को शाहरुख के धर्म से नहीं बल्कि उनके एक्टिंग से दिक्कत थी। वहीं गौरी की मां को भले ही स्क्रीन पर शाहरुख को देखना पसंद था, लेकिन वह उन्हें दामाद के रूप में नहीं देखना चाहती थीं। उन्होंने तो ज्योतिषी से भी सलाह ली थी कि कैसे दोनों का रिश्ता तोड़ा जाए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

वहीं गौरी के भाई विक्रांत को भी उनकी बहन का शाहरुख के साथ रिश्ता पसंद नहीं था। विक्रांत ने तो शाहरुख को बंदूक से भी डराया था। बता दें कि शाहरुख और गौरी ने 25 अक्टूबर 1991 को शादी की थी।

नेहा कक्कड़ की शादी में पहुंचीं उर्वशी रौतेला, वीडियो शेयर करने के साथ लिखी स्पेशल पोस्ट

सिंगर नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह शादी के बंधन में बंध चुके हैं। ऐसे में सोशल मीडिया पर सेरेमनी से जुड़े वीडियोज और फोटोज लगातार सामने आ रहे हैं। बता दें कि नेहा कक्कड़ की शादी में एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला और कॉमेडियन-होस्ट मनीष पॉल भी शामिल हुए थे। सोशल मीडिया पर उर्वशी रौतेला ने नेहा की शादी का एक वीडियो शेयर किया है, साथ ही एक स्पेशल पोस्ट भी लिखी है।

उर्वशी वीडियो शेयर करते हुए लिखती हैं, "हैशटैग नेहू द व्याह, बधाई परफेक्ट कपल हो। नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह, आप दोनों साथ में शानदार हैं। आप दोनों के लिए बहुत खुश हूं। आप लोगों ने मुझे प्यार में विश्वास दिलाया है। उम्मीद करती हूं कि यह हमेशा ऐसा ही रहे, क्योंकि ऐसा लगता है कि आप दोनों अंत तक साथ रहेंगे। बहुत मजा आया, प्यार। हैशटैग नेहा कक्कड़ और उर्वशी रौतेला।

बता दें कि उर्वशी रौतेला पहली इंडियन एक्ट्रेस हैं, जो अरब फैशन वीक की शो स्टॉपर बनी हैं। उर्वशी रौतेला को आखिरी बार एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में देखा गया था, जिसका नाम 'वर्जिन भानुप्रिया' था। इसमें गौतम गुलाटी और अर्चना पूरन सिंह ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वर्तमान में उर्वशी अपनी आगामी तेलुगु फिल्म 'ब्लैक रोज' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

अमिताभ बच्चन ने कैटरीना कैफ

के साथ फोटो शेयर कर लिखी मजेदार बात, फैन्स बोले- वाह सर

अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और कई मजेदार पोस्ट करते रहते हैं। अब बिग बी ने कैटरीना कैफ के साथ एक फोटो शेयर की है। बिग बी और कैटरीना की यह फोटो एक विज्ञापन के दौरान की है। हालांकि फोटो शेयर करते हुए बिग बी ने जो कैप्शन लिखा है वह काफी दिलचस्प है। बिग बी ने लिखा, अचानक हमें एक तस्वीर मिल गई, ढूंडा नहीं हमने, पन्ना पलटते ही मिल गई। सोचा देवी जी गहनों में अच्छी लग रही हैं और नीचे बैठे मान्यवर हम ही हैं। बिग बी की इस पोस्ट पर फैन्स भी खूब कमेंट्स कर रहे हैं। कोई कह रहा है सर, आप और आपकी बातें। तो किसी ने कमेंट किया, सर क्या लिखते हैं आप...लाजवाब।

बिग बी और कैटरीना कैफ फिल्म ठग्स ऑफ हिन्दोस्तान में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म में बिग बी और कैटरीना के साथ आमिर खान और फातिमा सना शेख लीड रोल में थे। हालांकि फिल्म फ्लॉप हो गई थी। किम शर्मा ने शेयर की बिकिनी फोटो, रूमर्ड एक्स ब्वॉयफ्रेंड युवराज सिंह ने ट्रोल करते हुए किया यह कमेंट बता दें कि बिग बी इस उम्र में भी लगातार काम करते रहते हैं। वह कई घंटों तक शूटिंग करते रहते हैं। कुछ दिनों पहले बिग बी ने अपने शो कौन बनेगा करोड़पति के सेट से कुछ फोटोज शेयर की थीं। इन फोटोज को शेयर करते हुए बिग बी ने कर्म को ही पूजा बताया था। साथ ही उन्होंने बताया कि काम ही आपकी पहचान बनाता है। बिग बी ने ट्वीट किया था, %कर्म ही पूजा है, कर्म ही गुरू है। आलस की दीवार को छलांग लगाकर कूदो। हर मुसीबत का सामना करते हुए भी काम करने के इरादे में कमी न आए। अपने पिता के इस पोस्ट से अभिषेक बच्चन काफी इम्प्रेस हुए थे। उन्होंने बिग बी के पोस्ट को री ट्वीट करते हुए लिखा था, यह प्रेरणा'। बिग बी के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म ब्रह्मास्त्र में नजर आने वाले हैं। फिल्म में बिग बी के साथ आलिया भट्ट और रणबीर कपूर लीड रोल में हैं। साथ ही बिग बी जल्द ही दीपिका पादुकोण और प्रभास की फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हर हिंदू के पांच नित्य कर्तव्य

हिन्दू धर्म में पंच नित्य कर्म का उल्लेख मिलता है जिन्हें हर हिंदू के पांच नित्य कर्तव्य कहा जाता है। उक्त पंच कर्म की उपयोगिता वैदिक काल से बनी हुई है। इस पंच नित्य कर्म का सभी धर्म पालन करते हैं। कर्तव्यों का विशद विवेचन धर्मसूत्रों तथा स्मृतिग्रंथों में मिलता है। ये पांच कर्म है-1. संध्योपासन, 2. उत्सव, 3. तीर्थ, 4. संस्कार और 5. धर्म।

संध्योपासन

संध्योपासन अर्थात् संध्या वंदन। मुख्य संधि पांच वक्त की होती है जिसमें से प्रातः और संध्या की संधि का महत्व ज्यादा है। संध्या वंदन को छोड़कर जो मनमानी पूजा–आरती आदि करते हैं उनका कोई धार्मिक महत्व नहीं। संध्या वंदन प्रतिदिन करना जरूरी है। संध्या वंदन के दो तरीके– प्रार्थना और ध्यान। संध्या वंदन के लाभ – प्रतिदिन संध्या वंदन करने से जहां हमारे भीतर की नकारात्मकता का निकास होता है वहीं हमारे जीवन में सदा शुभ और लाभ होता रहता है। इससे जीवन में किसी प्रकार का भी दुख और दर्द नहीं रहता।

उत्सव

उन त्यौहार, पर्व या उत्सव को मनाने का महत्व अधिक है जिनकी उत्पत्ति स्थानीय परम्परा या संस्कृति से न होकर जिनका उल्लेख धर्मग्रंथों में मिलता है। मनमाने त्यौहारों को मनाने से धर्म की हानि होती है। संक्रांतियों को मनाने का महत्व ही ज्यादा है। एकादशी पर उपवास करना और साथ ही त्यौहारों के दौरान मंदिर जाना भी उत्सव के अंतर्गत ही है।

उत्सव का लाभ – उत्सव से संस्कार, एकता और उत्साह का विकास होता है। पारिवारिक और सामाजिक एकता के लिए उत्सव जरूरी है। पवित्र दिन और उत्सवों में बच्चों के शामिल होने से उनमें संस्कार का निर्माण होता है वहीं उनके जीवन में उत्साह बढ़ता है। जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों, एकादशी व्रतों की पूर्ति तथा सूर्य संक्रांतियों के दिनों में उत्सव मनाया जाना चाहिए।

तीर्थ

तीर्थ और तीर्थयात्रा का बहुत पुण्य है। कौन–सा है एक मात्र तीर्थ? तीर्थाटन का समय क्या है? जो मनमाने तीर्थ और तीर्थ पर जाने के समय हैं उनकी यात्रा का सनातन धर्म से कोई संबंध नहीं। अयोध्या, काशी, मथुरा, चार धाम और कैलाश में कैलाश की महिमा ही अधिक है।

लाभ – तीर्थ से ही वैराग्य और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। तीर्थ से विचार और अनुभवों को विस्तार मिलता है। तीर्थ यात्रा से जीवन को समझने में लाभ मिलता है। बच्चों को पवित्र स्थलों एवं मंदिरों की तीर्थ यात्रा का महत्व बताना चाहिए।

संस्कार

संस्कारों के प्रमुख प्रकार सोलह बताए गए हैं जिनका पालन करना हर हिंदू का कर्तव्य है। इन संस्कारों के नाम है–गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुंडन, कर्णवेधन, विद्यारंभ, उपनयन, वेदारंभ, केशांत, सम्वर्तन, विवाह और अंत्येष्टि। प्रत्येक हिन्दू को उक्त संस्कार को अच्छे से नियमपूर्वक करना चाहिए। यह हमारे सभ्य और हिन्दू होने की निशानी है।

लाभ – संस्कार हमें सभ्य बनाते हैं। संस्कारों से ही हमारी पहचान है। संस्कार से जीवन में पवित्रता, सुख, शांति और समृद्धि का विकास होता है। संस्कार विरूद्ध कर्म करना जंगली मानव की निशानी है।

धर्म

धर्म का अर्थ यह कि हम ऐसा कार्य करें जिससे हमारे मन और मस्तिष्क को शांति मिले और हम मोक्ष का द्वार खोल पाएं। ऐसा कार्य जिससे परिवार, समाज, राष्ट्र और स्वयं को लाभ मिले। धर्म को पांच तरीके से साधा जा सकता है– 1. व्रत, 2. सेवा, 3. दान, 4. यज्ञ और 5. धर्म प्रचार। यज्ञ के अंतर्गत वेदाध्ययन आता है जिसके अंतर्गत छह शिक्षा (वेदांग, सांख्य, योग, निरुक्त, व्याकरण और छंद), और छह दर्शन (न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, सांख्य, वेदांत और योग) को जानने से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

लाभ – व्रत से मन और मस्तिष्क जहां सुदृढ़ बनता है वहीं शरीर स्वस्थ और बलवान बना रहता है। दान से पुण्य मिलता है और व्यर्थ की आसक्ति हटती है जिससे मृत्युकाल में लाभ मिलता है। सेवा से मन को जहां शांति मिलती है वहीं धर्म की सेवा भी होती है। सेवा का कार्य ही धर्म है। यज्ञ है हमारे कर्तव्य जिससे ऋषि ऋण, देव ऋण, पितृ ऋण, धर्म ऋण, प्रकृति ऋण और मातृ ऋण समाप्त होता है।

गो सेवा को माना परम धर्म

विभिन्न धर्मग्रंथों में वर्णित है कि गाय में सभी देवी-देवताओं का वास है। हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। यही कारण है कि गायों की सेवा के लिए समय-समय पर देश के विभिन्न भागों में गोशालाओं की स्थापना की जाती है।

हिसार जिले के गांव बुड़ाक में स्थित श्रीकृष्ण प्रणामी गोशाला भी गोसेवा की पर्याय बनी हुई है। इसमें गायों के स्वास्थ्य का विशेष रूप से ध्यान रखा जाता है। हरियाणा में 200 से भी अधिक गोशालाएं हैं जो गोभक्तों के सहयोग से सुचारु रूप से चल रही हैं। बुड़ाक में बनी श्रीकृष्ण प्रणामी गोशाला भी सदानंद महाराज व गोभक्तों के सहयोग से दिन दोगुनी रात चौगुनी तरक्की पर है। अब इस गोशाला में 300 से भी अधिक गाय हैं। इस गोशाला के प्रांगण की साफ-सफाई देखते ही बनती है। लगभग नौ एकड़ भू-भाग पर बनी इस गोशाला में गायों की सेवा के लिए सभी प्रबंध किए गए हैं। यहां ट्रैक्टर-ट्राली के अलावा पानी का टैंकर, चारा ढोने के लिए बैलगाड़ी, जनरेटर, आटा चक्की मशीन व इन्वर्टर का भी प्रबंध किया गया है। यहां दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले गोभक्तों के रहने के लिए कमरों की व्यवस्था की गई है। गोशाला में उचित व्यवस्था के लिए चार शेड बनाए गए हैं और गायों को गर्मी से बचाने के लिए हर शेड में पंखों की व्यवस्था की गई है। गांव बुड़ाक के निवासी गोशाला में समय-समय पर किए जाने वाले निर्माण कार्यों में बढ़-चढ़कर सहयोग करते हैं। गांव बुड़ाक के निवासियों का कहना है कि वे गायों की सेवा को ही परम धर्म मानते हैं। बुड़ाकवासियों के मन में इस गोशाला के निर्माण का विचार गांव में लावारिस पशुओं की बढ़ती संख्या के कारण आया। ये लावारिस पशु फसलों में काफी नुकसान पहुंचाते थे। खेतों में फसलों की बिजाई के बाद गांव बुड़ाक के निवासियों ने खुली घूमती गायों को एक जगह इकट्ठा किया और उनके चारे का प्रबंध किया। ग्रामीणों ने फसल तैयार होने तक उन गायों को एक जगह रखा और उन्हें चारा व पानी देकर उनकी देखभाल की। इससे ग्रामीणों को फायदा हुआ और खेतों से काफी पैदावार मिली। इस तरह फायदा मिलने पर ग्रामीणों ने एक गोशाला का निर्माण करवाने का विचार किया जिसका प्रतिफल गांव बुड़ाक में स्थित गोशाला वर्तमान में गोसेवा के लिए दूर-दूर तक जानी जाती है। इस गोशाला के निर्माण में स्वामी सदानंद महाराज का विशिष्ट सहयोग रहा है। ग्रामीण उनसे मिले तो उन्होंने गोशाला खोलने का आश्वासन दिया। उन्होंने पंचायत की जमीन में गोशाला की नींव रखी। गोभक्तों के सहयोग से धीरे-धीरे गोशाला की प्रसिद्धि दूर-दूर तक हुई।

श्रीकृष्ण प्रणामी गोशाला में गायों के लिए काफी सुविधाएं की गई हैं। छोटी तथा बड़ी गायों के लिए अलग-अलग शेड बनवाए गए हैं। दूध देने वाली गायों को अलग शेड में रखा गया है और जो गाय बीमारी के कारण कमजोर हो जाती हैं उनको अलग शेड में रखा जाता है। सभी शेड में पीने के पानी का विशेष प्रबंध किया गया है। समय-समय पर गायों को खेतों में चराने के लिए ले जाया जाता है।

श्रीकृष्ण प्रणामी गोशाला में गोअष्टमी धूमधाम से मनाई जाती है। इस अवसर पर असंख्य गोभक्त यहां आते हैं और गायों के लिए कुछ न कुछ दानस्वरूप अवश्य देकर जाते हैं। यहां साल में दो बार गुरु सदानंद महाराज भी पधारते हैं। इस अवसर पर गोशाला में भजन-कीर्तन का आयोजन होता है। इस आयोजन में गोभक्तों की भीड़ देखते ही बनती है।

अक्रूरजी को जल में हुए दिव्य दर्शन

भगवान श्रीकृष्ण और बलराम अक्रूरजी के साथ तीव्रगामी रथ पर सवार होकर मथुरा जाने के लिए यमुना जी के किनारे पहुंचे। वहां पर उन लोगों ने हाथ मुंह धोकर यमुनाजी का अमृत के समान मीठा जल पिया। इसके बाद बलरामजी के साथ भगवान श्रीकृष्ण वृक्षों के पास खड़े रथ पर सवार हो गये।

अक्रूरजी ने दोनों भाइयों को रथ पर बैठाकर उनसे यमुनाजी में स्नान करने की आज्ञा ली। वे यमुनाजी में विधिपूर्वक स्नान करने लगे। जिस समय उन्होंने डुबकी लगायी, उसी समय उन्होंने जल के भीतर देखा कि श्रीकृष्ण और बलराम दोनों भाई एक साथ बैठे हुए हैं। अब उनके मन में यह शंका हुई कि वसुदेवजी के पुत्रों को तो मैं रथ पर बैठाकर आया हूं, फिर वे जल में कैसे आ गये? जब वे यहां हैं, फिर रथ पर नहीं होंगे। ऐसा सोचकर उन्होंने सिर निकालकर बाहर देखा। वे रथ पर भी पूर्ववत् बैठे हुए थे। उन्होंने यह सोचकर कि मैंने उन्हें जल में देखा था, शायद वह मेरा भ्रम होगा, फिर डुबकी लगायी। फिर उन्होंने वहां भी देखा कि साक्षात भगवान श्रीकृष्ण और शेषनाग विराजमान हैं। सिद्ध, चारण, गंधर्व और देवता सिर झुकाकर उनकी स्तुति कर रहे हैं। शेषजी के हजार सिर हैं और उनके प्रत्येक फन पर सोने का मुकुट है। अक्रूरजी ने देखा कि शेषजी की गोद में श्याम मेघ के समान श्रीकृष्ण विराजमान हैं। वे रेशमी पीताम्बर पहने हुए हैं। बड़ी ही शांत चतुर्भुजी मूर्ति है। रक्त कमल दल के समान रतनारे नेत्र, प्रसन्नता से खिला हुआ मनोहर मुख, मधुर हास्य और नासिका सुघड़ है। कपोलों और लाल लाल अधरों की शोभा तो निराली ही है। उनके लाल लाल नखों से ज्योतिर्मय किरणें निकल रही हैं, सिर पर बहुमूल्य मणियों से जड़ा हुआ सुंदर मुकुट है और चारों हाथों में शंख, चक्र, गदा और पद्म है। ब्रह्मा, महादेव, इन्द्रादि देवता उनकी स्तुति कर रहे हैं। माया आदि शक्तियां मूर्तिमान होकर उनकी सेवा कर रही हैं।

भगवान श्रीकृष्ण की यह सुंदर लीला देखकर अक्रूरजी का हृदय परमानन्द से लबालब भर गया। उन्हें दुर्लभ भक्ति प्राप्त हो गयी। उनका सारा शरीर हर्ष से पुलकित हो गया और नेत्रों में आंसू भर गये। उन्हें अपने शरीर की सुध ही भूल गयी। फिर अक्रूरजी ने अपना साहस बटोरकर तथा भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में सिर रखकर साष्टांग प्रणाम किया। उसके बाद दोनों हाथ जोड़कर धीरे धीरे गदगद वाणी से भगवान की स्तुति करने लगे।

अक्रूरजी बोले- प्रभो! आप प्रकृति आदि समस्त कारणों के परम कारण हैं। आप ही अविनाशी पुरुषोत्तम नारायण हैं। आपसे ही ब्रह्मा, शिव आदि देवताओं का प्रादुर्भाव हुआ है। मैं आपके चरणों में नमस्कार करता हूं।

अध्यात्म
ओशो

सुखी रहने का सफल मंत्र

बुद्धत्व प्रकृति के खिलाफ नहीं होता। वह प्रकृति की परितृप्ति है। वह प्रकृति की चरम अभिव्यक्ति है। वह तो जितना सं भव हो सकता है, उतनी प्रकृति है

दुख से लगाव होना एक रोग है, यह विकृत प्रवृत्ति है, यह विक्षिप्तता है। यह प्राकृतिक नहीं है, यह बदसूरत है। पर मुश्किल यह है कि सिखाया यही गया है। एक बात याद रखो कि मानवता पर रोग हावी रहा है, निरोग्य नहीं और इसका भी एक कारण है। असल में स्वस्थ व्यक्ति जिंदगी का आनंद लेने में इतना व्यस्त रहता है कि वह दूसरों पर हावी होने की फिक्र ही नहीं करता।

अस्वस्थ व्यक्ति आनंद ले ही नहीं सकता, इसलिए वह अपनी सारी ऊर्जा वर्चस्व कायम करने में लगा देता है। जो गीत गा सकता है, जो नाच सकता है, वह नाचेगा और गाएगा, वह सितारों भरे असामान के नीचे उत्सव मनाएगा। लेकिन जो नाच नहीं सकता, वह कोने में पड़ा रहेगा और योजनाएं बनाएगा कि दूसरों पर कैसे हावी हुआ जाए। वह कुटिल बन जाएगा। जो रचनाशील है, वह रचेगा। जो नहीं रच सकता, वह नष्ट करेगा, क्योंकि उसे भी तो दुनिया को दिखाना है कि वह भी है। जो रोगी है, अस्वस्थ है, बदसूरत है, प्रतिभाहीन है, जिसमें रचनाशीलता नहीं है, जो घटिया है, जो मूर्ख है- ऐसे सभी लोग वर्चस्व स्थापित करने के मामले में काफी चालाक होते हैं। वे हावी रहने के तरीके और जरिए खोज ही निकालते हैं। वे राजनेता बन जाते हैं। वे पुरोहित बन जाते हैं। और चूंकि जो काम वे खुद नहीं कर सकते, उसे वे दूसरों को भी नहीं करने दे सकते। इसलिए वे हर तरह की खुशी के खिलाफ होते हैं।

जब तुम प्रेम करते हो, तो नफरत भी कर सकते हो। जो व्यक्ति नपुंसक है और प्रेम नहीं कर सकता, वह हमेशा नकारात्मक पर ही जोर देगा। वह हमेशा नकारात्मक को ही बढ़ा-चढ़ाकर पेश करेगा। वह हमेशा तुमसे कहेगा- अगर तुम प्रेम में पड़े तो दुख उठाओगे। तुम जाल में फंस जाओगे, तुम्हें तकलीफें भोगनी होंगी। और, स्वाभाविक रूप से जब भी घृणा के क्षण आएंगे और तुम दुख का सामना करोगे तो तुम्हें वह व्यक्ति याद आएगा कि वह सही कहता था।

फिर, घृणा के क्षण तो आने ही हैं। फिर एक स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है कि मनुष्य रोगों के प्रति ज्यादा सचेत होता है न कि स्वास्थ्य के प्रति। जब स्वस्थ होते हो तो तुम अपने शरीर के बारे में भूल जाते हो। लेकिन, जैसे ही सिर दर्द होता है या और कोई दर्द, या फिर पेट का दर्द तो देह को नहीं भूल पाते। देह होती है तब, प्रमुखता से होती है, बड़े जोर से होती है, वह तुम्हारा दरवाजा खटखटाती है। वह तुम्हारा ध्यान खींचती है। जब तुम प्रेम में होते हो और खुश होते हो तो भूल जाते हो। लेकिन, जब संघर्ष, नफरत और गुस्सा होता है तो तुम उसे बढ़ा- चढ़ाकर पेश करने लगते हो। ऊपर से नैतिकतावादी, पुरोहित, राजनेता मिल कर चिल्लाते हैं एक स्वर से कि देखो, हमने तुमसे पहले ही कहा था, और तुमने हमारी नहीं सुनी। प्रेम को त्यागो। प्रेम दुख बनाता है। इसे त्यागो, उसे त्यागो, जीवन को त्यागो। इन बातों को अगर बार-बार दोहराया जाता रहता है तो उनका असर होने लगता है। लोग उनके सम्मोहन में फंस जाते हैं। तुम कहते हो कि तुम उपवास करते रहे हो, तुमने ब्रह्मचर्य व्रत का पालन किया है। उपवास का भला बुद्धत्व से क्या ताल्लुक हो सकता है? ब्रह्मचर्य का बुद्धत्व से कोई संबंध नहीं हो सकता? बेतुकी बात है। जो भी तुम करते हो जैसे कि तुम कहते हो कि मैं बुद्धत्व प्राप्त करने के लिए रात-रात भर जागता रहता हूं। दिन में बुद्धत्व प्राप्त करने की कोशिश क्यों नहीं करते? रात भर जागने की क्या जरूरत है? ये कुदरत के विरोध में तुम कयों खड़े हुए हो? बुद्धत्व प्रकृति के खिलाफ नहीं होता। वह प्रकृति की परितृप्ति है। वह तो प्रकृति की चरम अभिव्यक्ति है। वह तो जितना संभव हो सकता है, उतनी प्रकृति है। प्रकृति के खिलाफ होने पर नहीं, बल्कि साथ होने पर ही तुम बुद्धत्व तक पहुंचते हो। वह बहाव के खिलाफ तैरने से नहीं, बल्कि उसके साथ बहने से मिलता है। नदी की यात्रा तो पहले से ही समुद्र की तरफ है। तुम्हें उसके खिलाफ तैरना शुरू करने की कोई जरूरत नहीं, जबकि तुम करते यही रहे हो। अब तुम पूछोगे कि तो मुझे क्या करना चाहिए? मैं कहूंगा कि दुख के प्रति अपनी आशक्ति त्याग दो। तुम बुद्धत्व की खोज नहीं कर रहे हो, बल्कि तुम तो दुख की खोज में लगे हुए हो। बुद्धत्व तो सिर्फ बहाना है। जीवन से प्रेम करो, और अधिक खुश रहो। जब तुम एकदम प्रसन्न होते हो, संभावना तभी होती है, वरना नहीं। कारण यह है कि दुख तुम्हे बंद कर देता है, सुख तुम्हें खोलता है। क्या तुमने यही बात अपने जीवन में नहीं देखी? जब भी तुम दुखी होते हो, बंद हो जाते हो, एक कठोर आवरण तुम्हे घेर लेता है। तुम खुद की सुरक्षा करने लगते हो, तुम एक कवच-सा ओढ़ लेते हो। वजह यह है कि तुम जानते हो कि तुम्हें पहले से काफी तकलीफ है और अब तुम और चोट बर्दाश्त नहीं कर सकते। दुखी लोग हमेशा कठोर हो जाते हैं। उनकी नरमी खत्म हो जाती है, वे चट्टानों जैसे हो जाते हैं।

एक प्रसन्न व्यक्ति तो एक फूल की तरह है। उसे ऐसा वरदान मिला हुआ है कि वह सारी दुनिया को आशीर्वाद दे सकता है। वह ऐसे वरदान से संपन्न है कि खुलने की जुर्रत कर सकता है। उसके लिए खुलने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि सभी कुछ कितना अच्छा है, कितना मित्रतापूर्ण है। पूरी प्रकृति उसकी मित्र है। वह क्यों डरने लगा? वह खुल सकता है। वह इस अस्तित्व का आतिथेय बन सकता है। वही होता है वह क्षण जब दिव्यता तुममें प्रवेश करती है। केवल उसी क्षण में प्रकाश तुममें प्रवेश करता है और तुम बुद्धत्व प्राप्त करते हो।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शराब माफिया की मदद करने पर पुलिस विभाग से सस्पैंड हुए थे सीआर पाटील : मोढवाडिया

गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्जुन मोढवाडिया ने आरोप लगाया है कि भाजपा के प्रदेश प्रमुख सीआर पाटील के खिलाफ 107 केस दर्ज हैं और शराब माफिया की मदद करने पर उन्हें पुलिस विभाग से सस्पैंड किया गया था।

गुजरात विधानसभा की 8 सीटों पर होनेवाले उपचुनाव से पहले भाजपा और कांग्रेस के नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। हाल ही में गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटील को लेकर टिप्पणी की की थी। हार्दिक पटेल ने कहा था कि गुजरात भाजपा के पास अध्यक्ष पद के लिए कोई योग्य नेता नहीं है। हार्दिक पटेल के बाद अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्जुन मोढवाडिया ने सीआर पाटील पर हमला किया है। मोढवाडिया ने कहा कि 1978 में सीआर पाटील पुलिस विभाग में थे, उस वक्त शराब माफिया की मदद करने पर उन्हें सस्पैंड किया गया था। पाटील को बत्तीस लक्षणा करार देते हुए मोढवाड़िया ने कहा कि सोनगढ़ और पलसाणा पुलिस थाने में उनके खिलाफ मद्यनिषेध के मामले दर्ज हुए थे। 1984 में

गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने मोढवाडिया को बताया झूठवाडिया

पुलिस यूनियन बनाने पर पाटील के खिलाफ शिकायत की गई थी। अक्टूबर 1995 में सूरत कॉर्पोरेशन में उनके खिलाफ शिकायत की गई थी।

वर्ष 2002 में डायमंड ज्युबिली बैंक कांड में सीआर पाटील ने जेलयात्रा भी की थी। उन्होंने कहा कि यह सभी मामले रिकार्ड पर हैं परंतु इस्तीफा देने की संस्कृति भाजपा में नहीं है।

सीआर पाटील ने अपने खिलाफ दर्ज मामलों का लिस्ट पार्टी को दिया है। हांलाकि इन मामलों पर फैसला करना कोर्ट काम है, लेकिन सीआर पाटील के खिलाफ 107 मामले दर्ज हैं।

कांग्रेस नेता अर्जुन मोढवाडिया पर पलटवार करते हुए सीआर पाटील ने उन्हें झूठवाडिया करार दिया है। धारी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार करने पहुंचे सीआर पाटील ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उपचुनाव में हार देख कांग्रेस इतनी बौखला गई है कि वह अनर्गल बयानबाजी करने लगी है। मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए कांग्रेस नेता झूठे आरोप लगा रहे हैं। पाटील ने कहा कि उनके खिलाफ कोई केस नहीं है और उसके प्रमाण स्वरूप उन्होंने 2019 में हलफनामा भी पेश किया था।

पाटील ने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ केस दर्ज हैं।

मोढवाडिया को चाहिए कि वह राहुल गांधी और सोनिया गांधी के इस्तीफे की मांग करें।

अत्याचारियों के खिलाफ ही होता है शस्त्रों का उपयोगः मुख्यमंत्री

विजयादशमी के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री ने की परंपरागत शस्त्र पूजा

मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने रविवार को विजयादशमी के पावन पर्व पर गांधीनगर स्थित मुख्यमंत्री आवास में परंपरा के अनुसार मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े कर्मियों के साथ उनके शस्त्रो की पूजा की।

मुख्यमंत्री ने विजयादशमी के पर्व को असत्य पर सत्य की विजय और आसुरी शक्ति पर दैवीय शक्ति की विजय का पर्व करार देते हुए कहा कि वर्तमान समय में उपलब्ध अत्याधुनिक शस्त्रों का पूजन कर अपने गुजरात को सुरक्षित और सलामत बनाने के भाव को मजबूती दी है। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए हम अस्त्र–शस्त्र और आधुनिक टेक्ना. `लॉजी के उपयोग से लैस होकर भविष्य की चुनौतियों का सामना करने को सक्षम बने हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य समग्र गुजरात को सुरक्षित बनाना तथा आतंकियों, गुंडों एवं असामाजिक तत्वों का नाश करना है और यही भाव शस्त्र पूजा की परंपरा में निहित है।

श्री रूपाणी ने कहा कि गुजरात सरकार संचार और शस्त्रों आदि की अद्यतन प्रणालियां विकसित कर रही है। वर्तमान केंद्र सरकार भी राफेल जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों को सेना के बेड़े में शामिल कर देश की स्वरक्षा की ताकत को बढ़ा रही है। समय की मांग के अनुसार आधुनिक शस्त्रों से लैस रहना और युद्ध के नीति–नियमों का पालन करना ही हमारी पौराणिक व सांस्कृतिक परंपरा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शस्त्रों की पूजा से हमें यह स्मरण रहता है कि शस्त्रों का उपयोग अत्याचारियों के खिलाफ ही करना है। हम शस्त्रों का इस्तेमाल निर्दोषों पर नहीं करते। विजय तभी मिलती है जब युद्ध में शस्त्र शक्तिशाली हो तथा ज्ञान–युद्ध में शास्त्र शक्तिशाली हो। युद्ध के लिए शास्त्र और शस्त्र दोनों आवश्यक है। राज्य सरकार में शस्त्र पूजन की परंपरा के विषय में उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उनके द्वारा शुरू की गई यह परंपरा आज भी जारी है। अपने धर्म ग्रंथों में भी शस्त्र पूजन के महत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पांडवों ने अज्ञातवास के दौरान छिपाए गए शस्त्रों को बाहर निकालकर सर्वप्रथम उनकी पूजा की थी। रामायण के युद्ध में भी सभी शस्त्रों की पूजा करने के बाद ही उसका उपयोग हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आसुरी शक्ति के खिलाफ दैवी शक्ति की विजय ही हमारा लक्ष्य है। राज्य के सुरक्षा बल, हमारी पुलिस और सुरक्षाकर्मी आज के दिन शस्त्र पूजन के जरिए विजय की जिजीविषा के साथ भविष्य की चुनौतियों का सामना करने को संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं। उन्होंने शस्त्र पूजन कार्यक्रम के आयोजन के लिए मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा बल को बधाई दी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मुख्यमंत्री सुरक्षा और कई सुरक्षा अधिकारियों के साथ कमांडो भी मौजूद थे।

गुजराती संगीतकार महेश कनोडिया का निधन, पीएम मोदी ने दुःख जताया

गुजराती फिल्मों के जाने माने संगीतकार और पूर्व सांसद महेश कनोडिया का गांधीनगर में आज निधन हो गयाद्य 83 वर्षीय महेश कनोडिया लंबे समय से बीमार थेद्य महेश कनोडिया का ऐसे समय में निधन हुआ, जब उनके छोटे भाई नरेश कनोडिया अस्पताल में उपचाराधीन हैं। कई गुजराती फिल्मों में संगीत देनेवाले महेश कनोडिया निवृत्ति के बाद राजनीति में सक्रिय हुए और पाटन लोकसभा सीट से तीन दफा सांसद बने। अपने कैरियर में महेश कनोडिया ने कई गुजराती फिल्मों में बतौर गायक भी काम किया है। विभिन्न 26 प्रकार की आवाज में गानेवाले महेश कनोडिया की स्वर किन्नरी लता मंगेश्कर जबर्दस्त प्रशंसक हैं। महेश कनोडिया ने एक दफा लता मंगेश्कर की आवाज में गीत गाया था, जिससे लताजी इतनी प्रभावित हुईं कि अपने जन्म दिन पर महेश कनोडिया को भोजन पर बुलाया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने ट्वीट कर महेश कनोडिया के निधन पर दुःख व्यक्त किया है।

पीएम मोदी ने महेश कनोडिया

के भतीजे हितु कनोडिया के साथ फोन पर बात कर शोकग्रस्त पि. रवार को सांत्वना दी है। साथ ही ट्वीट कर लिखा "गुजरात के मशहूर संगीतकार और गायक महेश कनोडिया के निधन से दुःख हुआ। महेश कनोडिया ने गुजराती लोकसंगीत को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनकी लंबे समय तक बतौर सांसद कार्यों का मैं गवाह हूं।'

गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने भी महेश कनोडिया के निधन पर ट्वीट कर शोक व्यक्त कियाहैद्य विजय रूपाणी ने ट्वीट कर लिखा "गुजरात के मशहूर संगीतकार–गायक और पूर्व सांसद महेश कनोडिया के दुःखद निधन से शोकमग्न हूं।

गुजराती लोकसंगीत को लोक. प्रिय बनाने वाले की कमी संगीत जगत को हमेशा रहेगी। बतौर सांसद भी महेश कनोडिया के कार्य सराहनीय थे। प्रभु उनकी दिव्य आत्मा को चिर शांति और परिजनों को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करे।"

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

अहमदाबाद के श्रद्धालु ने डाकोर मंदिर में 1.11 करोड़ का दान दिया

अहमदाबाद के सुजल पटेल नामक श्रद्धालु ने डाकोर स्थित रणछोडराय मंदिर में रु. 11111111 समर्पित कर अपनी पिता की इच्छा पूर्ण की है। सुजल पटेल के पिता राजु पटेल ईश्वर से जो मिला है, राजु पटेल की अधुरी इच्छा पूर्ण करने सुजल पटेल परिवार के साथ रविवार को डाकोर स्थित रणछोडराय मंदिर पहुंचे, जहां रु. 11111111 का चेक भगवान के चरणों में समर्पित किया।

उसका ऋणभार भगवान के चरणों में समर्पित करने की इच्छा थी। लेकिन इच्छा पूर्ण होने से पहले राजु पटेल की मौत हो गई। पिता

इस अवसर पर मंदिर प्रबंधन की ओर से सुजल परिवार को सम्मानित किया गया।

प्रसूति के बाद अस्पताल से घर लौटते रिक्शा पलटे, नवजात समेत 3 बच्चों की मौत

दाहोद,जिले के नानीकोडी गांव के निकट एक ऑटो रिक्शा 30 फूट गहरी गहरी खाई गिर गई। इस हादसे में नवजात शिशु समेत 3 बच्चों की मौत हो गई। जबकि तीन महिलाएं बाल बाल बचीं। यह घटना उस समय हुई जब प्रसूति के बाद नवजात शिशु के साथ मां अन्य दो महिलाओं के साथ अस्पताल से घर लौट रही थी। जानकारी के मुताबिक दाहोद स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया।

प्रसूति के बाद आज सुबह नवजात शिशु और उसकी मां के साथ अन्य दो महिलाएं और दो बच्चे ऑटो रिक्शा में घर लौट रहे थे। रास्ते में नानीडोकी गांव के निकट ऑटो रिक्शा 30 फूट गहरी खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में नवजात शिशु समेत तीन बच्चों की मौत हो गई। जबकि प्रसूता समेत तीन महिलाएं घायल हो

तहसील के चोसाला गांव निवासी 25 वर्षीय महिला को प्रसूति पीड़ा के बाद गांव की अन्य दो महिलाएं उसे रेटिया प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र ले गई थीं। जहां महिला ने गईं। घायलों को एम्ब्युलैंस 108 की मदद से दाहोद के निजी अस्पताल में दाखिल किया गया हैद्य एक साथ तीन बच्चों की मौत से परिवार में शोक व्याप्त है।

ट्रेनों में महिला यात्रियों की समग्र सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा भमेरी सहेली अभियान की अनूठी पहल

पश्चिम रेलवे हमेशा नारी शक्ति का समर्थन और सहयोग करने के लिए अनेक अनूठी पहलों के लिए जानी जाती है। चाहे दुनिया में सबसे पहली लेडीज स्पेशल ट्रेन शुरू करने की उपलब्धि हो या फिर स्टेशनों पर बेबी फीडिंग सेंटर एवं सीसीटीवी की है।

मण्डल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार झा के अनुसार, ष्मेरी सहेलीष पहल का उद्देश्य ट्रेनों से यात्रा करने वाली महिला यात्रियों को उनकी पूरी यात्रा में गंतव्य स्टेशन तक बेहतरीन सुरक्षा प्रदान करना है। इस पहल के तहत आरपीएफ सुरक्षा हेल्पलाइन नम्बर 182, जीआरपी सुरक्षा हेल्पलाइन नम्बर 1512 और अन्य सावधानियों के बारे में जानकारी दी जाएगी। उदाहरण के लिए, अजनबियों से भोजन नहीं लेने,

केवल आईआरसीटीसी अधिकृत स्टॉल से भोजन खरीदने गंतव्य तक पहुंचने तक उनकी समुचित सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। यात्रा के अंत में, महिला यात्रियों से उनके यात्रा के अनुभव और उठाए गए सुरक्षा उपायों के बारे में प्रतिक्रिया ली जाएगी। श्री झा ने बताया कि पश्चिम रेलवे द्व ारा यह अनूठी पहल मुख्य रूप से

कैमरे तथा ट्रेनों में टॉक–बैक सिस्टम प्रदान करने की शुरुआत, पश्चिम रेलवे महिला यात्रियों को हरसम्भव बेहतरीन सुविधाएँ सुनिश्चित करने के लिए हमेशा तत्पर रही है। इसी श्रृंखला में पश्चिम रेलवे ने अब महिला यात्रियों को उनकी पूरी यात्रा के दौरान अधिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए ष्मेरी सहेलीष नाम से एक और शानदार पहल की शुरुआत महिला अधिकारी और कर्मचारियों की एक टीम बनाई गई है। यह टीम महिला यात्रियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए लेडीज कोच सहित सभी यात्री डिब्बों का दौरा करेगी। उनकी यात्रा का विवरण जैसे, कोच नम्बर और सीट नम्बर टीम द्वारा नोट किया जाएगा। खासकर अगर एक महिला ट्रेन में अकेली यात्रा कर रही हो। इन महिला यात्रियों को और अपने सामान की समुचित देखभाल करने के लिए उन्हें खास टिप्स दिए जायेंगे। टीम उन्हें किसी भी आपात स्थिति के लिए ट्रेन एस्कॉर्ट पार्टी से सम्पर्क करने और 182 डायल करने के लिए स्वतंत्र महसूस करने की भी सलाह देगी। महिला यात्रियों के विवरण से सम्बंधित मंडलों और क्षेत्रीय रेल कार्यालयों को अवगत कराया जायेगा, ताकि उनके अंतिम अहमदाबाद मण्डल पर दो ट्रेनों में शुरू की गई है, जिनमें ट्रेन नम्बर 02248 अहमदाबाद दृ ग्वालियर स्पेशल और ट्रेन नम्बर 02548 अहमदाबाद दृ आगरा कैंट स्पेशल ट्रेन शामिल हैं।

मेरी सहेली पहल न केवल महिला यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करेगी, बल्कि उन्हें मानसिक शांति, आरामदायक और सुखद यात्रा का अनुभव भी प्रदान करेगी।

सार–समाचार

कभी हार्दिक पटेल के करीबी रहे दिलीप साबवा भाजपा में शामिल

बोटाद,पाटीदार आंदोलन के दौरान कभी हार्दिक पटेल के साथ रहे दिलीप साबवा आज भाजपा में शामिल हो गए। दिलीप साबवा के साथ भावनगर जिला कांग्रेस के दिग्गज नेता नानुभाई डाखरा ने भी भाजपा का भगवा धारण कर लिया। गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने दिलीप साबवा, नानुभाई डाखरा और सौराष्ट्र व सूरत के नेताओं का पार्टी में स्वागत किया। गौरतलब है पाटीदार आरक्षण आंदोलन से जुड़े दिलीप साबवा ने हार्दिक पटेल व उसके साथियों पर रंगरेलियां मनाने का आरोप लगाय था। दिलीप साबवा ने माना कि गत विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से मिलकर भाजपा के खिलाफ काम किया था। दिलीप साबवा ने कहा था कि हार्दिक पटेल कांग्रेस की मदद के लिए ही आंदोलन चला रहे थे। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी चुनाव में पाटीदारों का उपयोग करना चाहती थीं। हार्दिक पटेल के जेल से छूटकर गांव गांव सभाएं करने के दौरान दिलीप साबवा ने भी गुजरात के सौराष्ट्र में एक यात्रा निकाली थी।

राज्य में 919 नए केस, 963 हुए ठीक 7 मरीजों की कोरोना से मौत

अहमदाबाद (ईएमएस)द्य राज्य में फिर एक बार कोरोना का आंकड़ा एक हजार के नीचे पहुंच गया है। पिछले 24 घंटों में राज्य में कोरोना के 919 नए केस सामने आए हैं, वहीं 963 लोगों को डिस्चार्ज किया गया है। जबकि 7 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। राज्य में रिकवरी रेट 89.46 प्रतिशत पर पहुंच गया है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बीते 24 घंटों में सबसे अधिक कोरोना पॉजिटिव केस 166 केस सूरत कॉर्पोरेशन में दर्ज हुए।

वहीं अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 162, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 72, राजकोट कॉर्पोरेशन में 65, सूरत में 61, वडोदरा में 43, राजकोट में32, जामनगर कॉर्पोरेशन में 28, भरुच में 20, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 20 मेहसाणा में 18, मोरबी में 18, भावनगर कॉर्पोरेशन में 16, कच्छ में 16, गांधीनगर में 15, जामनगर में 15, दाहोद में 14 और साबरकांठा में 14 नए केस सामने आए। जबकि 24 घंटों में 963 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। इस दौरान अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 3, सूरत कॉर्पोरेशन में 2, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1 और पाटन में 1 समेत राज्य में 7 लोगों की कोरोना से मौत हो गई।

इसी के साथ राज्य में कोरोना से मरने वालों की संख्या 3689 हो गई है। आज 51370 समेत राज्यभर में अब तक कुल 5743742 लोगों को टेस्ट किया गया है, जिसमें 149548 लोग कोरोना को मात देकर ठीक हो चुके हैं। फिलहाल राज्य में 13936 एक्टिव केसों में 13871 लोग स्टेबल हैं और 65 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं।

ट्रक और पिकअप वैन के बीच दुर्घटना में 2 लोगों की मौत, 3 घायल

भरुच, जिले के दशान के निकट आज ट्रक और पिकअप वैन के बीच हुई दुर्घटना में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 व्यक्ति घायल हो गएद्य घायलों को भरुच के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक भरुच जिले के अंकलेश्वर के व्यापारी पिकअप वैन में सवार होकर दहेज में लगनेवाले रविवारी बाजार जा रहे थे। पिकअप वैन भरुच–दहेज रोड पर दशान के निकट दौड़ी चली जा रही थी। उस वक्त एक तेज रफ्तार ट्रक ने पिकअप वैन को टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से पिकअप वैन पलटी खा गई और इस हादसे में 2 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि 3 लोग घायल हो गए, जिन्हें भरुच के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खबर मिलते ही भरुच पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज मामले की जांच शुरू की।

गुजरात– कच्छ में महसूस हुए भूकंप के झटके, कोई नुकसान नहीं

कच्छ ,गुजरात के कच्छ में रविवार तड़के 3.6 तीव्रता का भूकंप के झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने बताया कि जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। गांधीनगर स्थित भूकंप अनुसंधान संस्थान के एक अधिकारी ने बताया कि इसका केंद्र कच्छ जिले के अंजार शहर से पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम में 12 किलोमीटर की दूरी पर था और इसे सुबह 8.18 बजे महसूस किया गया। अधिकारी ने बताया कि भूकंप की गहराई 19.5 किलोमीटर दर्ज की गई है। गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, कच्छ, उच्च खतरे वाले भूकंप जोन में स्थित है। कच्छ में जनवरी 2001 में 6.9 तीव्रता का विनाशकारी भूकंप आया था।

पहले ही दिन गिरनार रोप वे पर पर्यटकों की उमड़ी भीड़

जूनागढ़,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को गिरनार रोप वे का उदघाटन किया था। आज विजयादशमी के अवसर पर रोप वे पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है और पहले ही दिन पर्यटकों की भीड़ उमड़ पड़ी। रविवार की सुबह केवल दो घंटों में 300 से ज्यादा पर्यटकों ने रोप वे यात्रा की। दशहरा के अवसर पर बड़ी संख्या में संख्या पर्यटक जूनागढ़ के गिरनार आ रहे हैं। उषा ब्रेको कंपनी द्वारा प्रथम एक हजार टिकट गोल्डन टिकट का ऐलान किया है। ताकि रोप वे में यात्रा करने वाले पर्यटकों को याद रहे कि गिरनार रोप वे में यात्रा करने वाले पहले 1000 पर्यटकों में वह भी शामिल थे। गिरनार पर्वत पर आज से पर्यटकों के लिए प्रारंभ हुए रोप वे की लोअर से अपर स्टेशन के बीच दूरी 2126.40 मीटर है। रोप वे की ट्रोली लोअर स्टेशन से निकलने के बाद गिरनार जंगल और पत्थरों की शिलाओं से गुजरती है। रोप वे में यात्रा के दौरान गिरनार की पर्वतमाला में फैली हरियाली समेत गिरनार के निकट स्थित हसनापुर डैम शहर औ् भवनाथ तालाब देख सकते हैं। गिरनार पर्वत पर सीढ़ियों से चढ़कर जाने में 4 से 5 घंटे लगते हैं, जबकि रोप वे में केवल 15 मिनट में आवागमन किया जा सकता है। लोअर स्टेशन से अपर स्टेशन पहुंचने में साढ़े छह से सात मिनट लगते हैं, जबकि अपर स्टेशन से लोअर स्टेशन पहुंचने में 5 से 6 मिनट लगते हैं। रोप वे में वयस्कों के लिए रु. 700 और बच्चों के लिए रु. 350 और एक साइड का टिकट रु. 400 है।

आईएनएस विराट की संग्रहालय बनने की उम्मीदें क्षीण, कंपनी को अब तक नहीं मिला एनओसी

अहमदाबाद, भारतीय नौसेना में लंबी सेवा देने वाले से युद्धपोत आईएनएस 'विराट' को सेवानिवृति मिल गई साथ ही इसके संग्रहालय में तब्दील होने की उम्मीदें लगभग क्षीण पड़ने लगी हैं क्योंकि इसे तोड़ने के लिए खरीदने वाली कंपनी ने करीब तीन सप्ताह की प्रतीक्षा के बाद पोत को गुजरात के अलंग स्थित अपने कबाड़ (स्क्रैप) यार्ड की ओर ले जाना शुरू कर दिया है। मुंबई की निजी कंपनी इनवीटेक मरीन कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड ने पिछले महीने 'विराट' को संग्रहालय में बदलने की इच्छा जताई थी लेकिन रक्षा मंत्रालय से इस संबंध में कंपनी को अब तक अनापत्ति प्रमाण पत्र (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) नहीं मिला है। इस युद्ध पोत को भारतीय नौसेना में 1987 में शामिल किया गया था और यह 2017 तक सेवा में रहा। इस साल जुलाई में जहाज को तोड़ने का काम करनेवाली अलंग की कंपनी श्रीराम ग्रुप ने इसे 38.54 करोड़ रुपये में खरीदा था। कंपनी के अध्यक्ष मुकेश पटेल ने शनिवार को कहा, 'हमने विराट को अपने यार्ड की तरफ ले जाना शुरू कर दिया है यह समुद्र में 3,000 फुट की दूरी पर था, जिसे अब निकट लाया गया है। अब भी यह 1,500 फुट की दूरी पर है।'

उन्होंने बताया कि इसे और नजदीक खींचने का काम अगले उच्च ज्वार के समय किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसे खरीदकर संग्रहालय में तब्दील करने की इच्छा जतानेवाली कंपनी अब भी रक्षा मंत्रालय से एनओसी नहीं हासिल कर पाई है और वे अभी उस पर काम कर रहे हैं। पटेल ने कहा, 'कंपनी ने हमसे पूछा कि क्या इस जहाज को नुकसान से बचाया जा सकता है तो हमने जवाब दिया कि नवीनतम तकनीक से यह संभव है लेकिन यह मुश्किल भरा काम है और महंगा भी है।' इस संबंध में इनवीटेक मरीन के प्रबंध निदेशक वीके शर्मा की टिप्पणी नहीं मिल सकी। 'विराट' दुनिया का सबसे लंबे समय तक सेवा देनेवाला जहाज है और भारत में यह दूसरा ऐसा जहाज है जिसे नष्ट किया जाएगा। इससे पहले 2014 में 'विक्रांत' को मुंबई में तोड़ा गया था।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शक्ति और दायरे में भारत को चीन से बड़ा होना चाहिये : मोहन भागवत

नागपुर। (एजेंसी)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि भारत को शक्ति एवं व्याप्ति (ताकत एवं दायरा) के क्षेत्र में चीन से बड़ा होना चाहिये। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि चीन की विस्तारवादी प्रकृति से पूरी दुनिया अवगत है। भागवत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक दशहरा रैली को संबोधित कर रहे थे। कोरोना वायरस महामारी के दिशा निर्देशों के अनुसार संघ ने इस कार्यक्रम का आयोजन इस साल सीमित रूप से किया था जिसमें 50 स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। भागवत ने कहा कि भारत को चीन के खिलाफ बेहतर सैन्य तैयारियां करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब कई देश चीन के सामने खड़े हैं। उन्होंने कहा, चीनी घुसपैठ पर भारत की प्रतिक्रिया से चीन सकते में है। चीन की अपेक्षा भारत को अपनी शक्ति एवं दायरा बढ़ाने की आवश्यकता है।

संघ प्रमुख ने कहा, चीन ने महामारी के बीच में हमारी सीमाओं का अतिक्रमण किया। उन्होंने कहा कि उस देश (चीन) की विस्तारवादी प्रकृति से पूरी दुनिया अवगत है। उन्होंने ताइवान एवं वियतनाम का उदाहरण चीन की विस्तारवादी योजना के रूप में दिया। भागवत ने कहा कि हमारी मंशा सबके साथ मित्रता करने की है और यह हमारी प्रकृति है। उन्होंने कहा कि हमें किसी प्रकार से कमजोर करने अथवा खंडित करने का प्रयास कत्तई स्वीकार्य नहीं है और हमारे विरोधी अब इससे अवगत हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि संशोधित नागरिकता कानून किसी खास धार्मिक समुदाय के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा, कुछ लोग हमारे मुसलमान भाइयों को भ्रमित कर रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि यह उनकी जनसंख्या को सीमित करने के लिये है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर आगे चर्चा होती, इससे पहले कोरोना वायरस की तरफ ध्यान केंद्रित करना पड़ा। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के दिमाग में केवल सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ना ही रहता है।

कोरोना वायरस के कारण सब मुद्दे पीछे रह गये हैं। उन्होंने कहा, हमें कोरोना वायरस से डरने की जरूरत नहीं है, लेकिन हमें सतर्क एवं सावधान रहना चाहिये। हम जीना नहीं छोड़ सकते हैं। कोरोना वायरस फैल रहा है लेकिन इससे मरने वालों की संख्या कम है। महामारी के कारण हमने फिर से स्वच्छता, सफाई, पर्यावरण और पारिवारिक मूल्यों के महत्व को जानना शुरू कर दिया है। भागवत ने कहा, कोरोना वायरस ने बेरोजगारी की चुनौतियों को जन्म दिया है। कई लोगों की नौकरियां चली गयी हैं। ?श्रमिकों ने अब शहरों में लौटना शुरू कर दिया है लेकिन नौकरियों का अब अभाव हो सकता है। चुनौती अब विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करने की है। संघ प्रमुख ने कहा, अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्तत कर दिया गया, राम मंदिर निर्माण के उच्चतम न्यायालय के फैसले को देश ने संयम एवं समझदारी के साथ स्वीकार किया।

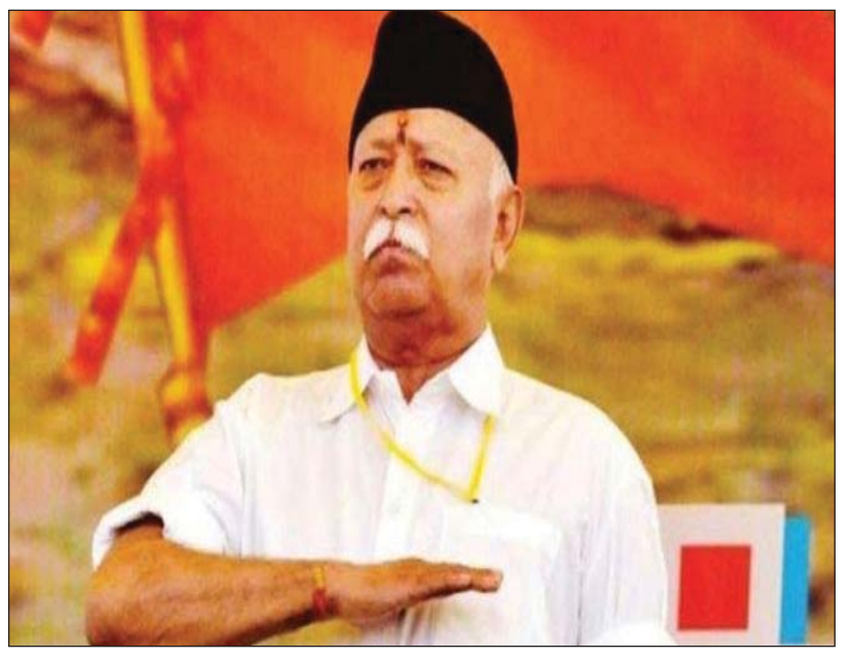

सार समाचार

राजपूत समाज की बैठक में बोले तोमर, राष्ट्र रक्षा के लिए भाजपा को चुने समाज

ग्वालियर। राजपूत समाज आज से नहीं अनादिकाल से देश की संस्कृति, परंपरा एवं जीवन मूल्यों की रक्षा कर रहा है। आपके समाज जीवन में हर जगह योगदान है। आपने उनका 15 माह के शासन को देखा है, हमारी सरकार ने कोरोना काल में भी विकास जारी रखकर जनता के कल्याण में कोई कसर नहीं छोड़ी। यह बात शनिवार को क्षत्रिय समाज की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कही। चौहान ने कहा कि चुनाव में हमें आपका सहयोग चाहिए, आपके बिना हम अधूरे हैं। चुनाव के बाद हम स्थिर सरकार बनाकर प्रदेश की सेवा कर सकें। आपके मान सम्मान का हर समय ध्यान रखा जाएगा।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि राजपूत समाज ने कभी व्यक्ति की नहीं केवल कर्म की पूजा की है। आज लोकतंत्र में चुनावी बेला है, राजपूत समाज ने हर समय राष्ट्रहित के लिए मतदान किया है। भाजपा एक विचार धारा है। चुनाव दल और विचार के आधार पर होता है, इसलिए आप राष्ट्रभक्ति के आधार पर मतदान करें। बैठक का संचालन पूर्व साडा अध्यक्ष जयसिंह कुशवाह ने एवं आभार बलवीर तोमर ने व्यक्त किया। इस अवसर पर मंच पर जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी, मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा उपस्थित थे।

दशहरा पर राहुल गांधी का ट्वीट, विजय अंतत: सत्य की ही होती है

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को दशहरा के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अंत में विजय सत्य की ही होती है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, ''विजय अंतत- सत्य की ही होती है। आप सभी को विजयादशमी की शुभकामनाएं।'' राहुल गांधी ने ट्वीट में 'हैप्पी दशहरा'' (दशहरा की शुभकामनाएं) हैशटैग का इस्तेमाल किया। कोविड-19 महामारी की वजह से लोग प्रतिबंधों के बीच दशहरा का उत्सव मना रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में निष्पक्ष चुनाव के लिए वहां राष्ट्रपति शासन लगाना होगा: कैलाश विजयवर्गीय

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में यदि निष्पक्ष चुनाव कराना है तो वहां राष्ट्रपति शासन लगाना होगा, नहीं तो वहां निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकता। विजयवर्गीय ने यह बात रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल पर संवाददाताओं से बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में कही। विजयवर्गीय ने आरोप लगाया, ''पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र नहीं है, वहां हिंसा और भ्रष्टाचार की राजनीति है। वह एक ऐसा प्रदेश है जहां पर नौकरशाही का अपराधीकरण हो गया है। विपक्ष के लोगों की प्राइवेट शूटर हायर करके अधिकारियों के संरक्षण में हत्या कराई जा रही हैं। ममता बनर्जी के नेतृत्व में जो सरकार है उसके खिलाफ लोगों में आक्रोश है।''

हेमंत सोरेन का सवाल, जब गरीबों पर आफत आयी तो कहां थे प्रधानमंत्री

दुमका। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि जब कोरोना संकट में राज्य के गरीबों पर संकट आया तो राज्य सरकार ने उनकी हर तरह से मदद की लेकिन जब गरीबों पर आफत आयी तो देश के प्रधानमंत्री कहां चले गये थे? सोरेन ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '%हमारे देश के आदरणीय प्रधानमंत्री जी के भाषणों को याद कीजिये। वो कहते थे कि जो लोग हवाई चप्पल पहनकर चलते हैं वो अब हवाई जहाज में चलेंगे। लेकिन कोरोना संकट के दौरान जब गरीबों पर आफत आई तो कहां चले गये थे प्रधानमंत्री जी?''

चीन के साथ तनाव के बीच बोले राजनाथ सिंह, हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ अच्छा संबंध चाहता है भारत

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्वी सेक्टर में सुकना स्थित 33वीं कोर के मुख्यालय में भारतीय सेना की तैयारियों की समीक्षा की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह कोर सिक्किम में चीन से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर निगरानी रखती है। दार्जिलिंग में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत हमेशा अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहता है, हमने हमेशा उसी के लिए प्रयास किया है। लेकिन हमारे जवानों को समय-समय पर अपनी सीमाओं, अखंडता और सार्वभौमिकता की रक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान करना पड़ा है। उन्होंने जवानों से कहा कि इस बार गालवान में, बिहार रेजिमेंट के हमारे 20 जवानों ने अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए खुद को बलिदान कर दिया ... आपकी वजह से देश और उसकी सीमाएं सुरक्षित हैं। रक्षा मंत्री दोपहर में दार्जिलिंग जिले में एक प्रमुख सैन्य अड्डे, जिसे 'त्रिशक्ति' कोर के रूप में जाना जाता है, पहुंचे थे। वह पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा गतिरोध के मद्देनजर सैन्य तैयारियों की समीक्षा के साथ-साथ सैनिकों के साथ दशहरा मनाने के लिए पश्चिम बंगाल और सिक्किम की दो दिवसीय यात्रा पर है। सिंह के साथ सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे भी थे। अधिकारियों ने बताया कि 33वीं कोर के शीर्ष कमांडरों ने सिक्किम सेक्टर में एलएसी के पास स्थिति के साथ-साथ सैनिकों और हथियारों की तैनाती के बारे में भी रक्षा मंत्री और जनरल नरवणे को विस्तृत जानकारी दी। सेना के जवानों के एक समूह के साथ बातचीत में, रक्षा मंत्री ने विजयदशमी के अवसर पर उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी और देश की सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए उनके समर्पण की सराहना की।

स्वतंत्र देव सिंह का विवादित बयान, कहा- मोदी ने तय कर दिया है कि पाकिस्तान-चीन से कब होगा युद्ध

बलिया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने एक विवादित टिप्पणी में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तय कर दिया है कि पाकिस्तान और चीन से युद्ध कब होना है। उनकी यह टिप्पणी शुक्रवार को आई। उल्लेखनीय है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन के बीच तनाव व्याप्त है, जहां दोनों देशों के सैनिक काफी संख्या में तैनात हैं। भाजपा नेता ने अपने दावे को अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण प्रारंभ होने और जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किये जाने से संबद्ध किया है।

दरअसल, सिंह का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें उन्होंने कहा है कि राम मंदिर और अनुच्छेद 370 पर निर्णय की तरह ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तय कर दिया है कि पाकिस्तान और चीन से युद्ध कब होना है। संबंधित तिथि तय है कि कब क्या होना है। सिंह ने गत 23 अक्टूबर को बलिया जिले के सिकंदरपुर में भाजपा विधायक संजय यादव के आवास पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की थी। भाजपा विधायक संजय यादव ने रविवार को यह वीडियो जारी किया। स्वतंत्र देव सिंह ने अपने संबोधन में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस के नेताओं की तुलना आतंकवादियों से की। इस संदर्भ में जब भाजपा के क्षेत्रीय सांसद रवींद्र कुशवाहा से पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं का जोश बढ़ाने के लिए ऐसा कहा है।

औवैसी का दावा, बिहार में भाजपा के विधायक को सीएम बनाना चाहते हैं नरेंद्र मोदी

कैमूर। (एजेंसी)।

एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन औवैसी ने शनिवार को दावा किया कि नीतीश कुमार के खिलाफ भाजपा साजिश रच रही है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के विधायक को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने यहां चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''भाजपा पूरी कोशिश कर रही है और नीतीश कुमार को रिटायरमेंट होम में डालने वाली है।'' उन्होंने कहा, ''मैं नौजवानों से अपील करना चाहता हूं कि वे बिहार की जनता तक यह बात पहुंचा दें कि नरेंद्र मोदी भाजपा के एमएलए को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं।'' आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लमीन (एआईएमआईएम) के नेता ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार नाकाम साबित हुए हैं और अब वे कुछ नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कहा है कि वह 19 लाख नौकरियां देंगी जबकि राजद ने कहा कि वे 10 लाख नौकरी देंगे लेकिन सवाल यह है कि इन दोनों ने 15-15 साल बिहार में राज किया और कितनी नौकरियां दीं।

ओवैसी ने पूर्वी लद्दाख से लगी सीमा पर चीन के साथ गतिरोध को लेकर प्रधानमंत्री से सवाल किया कि चीन को उस इलाके से कब भगाया जायेगा। उन्होंने कहा ''हम उन सभी बहादुर सिपाहियों को सलाम करते हैं जिन्होंने देश की एक एक इंच जमीन की हिफाजत करते हुए कुर्बानी दी लेकिन जिस मां ने अपने बेटे को खोया वह पूछ रही है कि हमारे बेटे की जान का बदला चीन से लिया या नहीं।'' औवैसी ने कहा कि बिहार की जनता राजद गठबंधन के 15 साल के शासन में पिसी, फिर मोदी और नीतीश के शासन काल में बेरोजगार बना दिया गया और गरीबी इनका मुकद्दर बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि आपसे वादा करता हूं, उपेंद्र कुशवाहा को मुख्यमंत्री बनाइए, बिहार की जनता से इंसाफ होगा।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय लोक समता पार्टी प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा और एमआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बिहार चुनाव में छह दलों का नया मोर्चा बनाया है। इस मोर्चा का नाम 'ग्रैंड डेमोक्रेटिक सेकुलर फ्रंट' रखा गया है। फ्रंट की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा को बनाया गया है। इस फ्रंट के अन्य दलों में मायावती की बहुजन समाज पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, समाजवादी जनता पार्टी डेमोक्रेटिक और जनतांत्रिक सोशलिस्ट पार्टी शामिल हैं।

सोनिया का तंज, शासक के जीवन में अंहकार और वादाखिलाफी की जगह नहीं

नयी दिल्ली। कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी ने दशहरा पर्व की लोगों को बधाई देते हुए रविवार को कहा कि विजयादशमी का सबसे बड़ा संदेश यह है कि शासन में लोग सर्वोपरि हैं और एक शासक की जिंदगी में अहंकार, झूठ और वादाखिलाफी की कोई जगह नहीं है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इस मौके पर ट्वीट कर कहा कि सच की अंतत- विजय होगी। दशहरे पर अपने संदेश में सोनिया गांधी ने सभी लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दशहरा अन्याय पर न्याय, असत्य पर सत्य और अहंकार पर विवेक की जीत का प्रतीक है। नौ दिन की पूजा के बाद यह किसी भी स्थिति में कर्तव्यों को पूरा करने का प्रण लेकर आता है।

सोनिया गांधी ने कहा, शासन में जनता सर्वोपरि है और एक शासक की जिंदगी में अहंकार, झूठ और वादाखिलाफी की कोई जगह नहीं है। यह विजय दशमी का सबसे बड़ा संदेश है। कांग्रेस की अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि यह दशहरा लोगों की जिंदगियों में न सिर्फ खुशहाली, शांति और समृद्धि लेकर आएगा,बल्कि उनमें सौहार्द और सांस्कृतिक मूल्यों को भी मजबूत करेगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे त्योहार के दौरान खुद को कोरोना वायरस से सुरक्षित रखें एवं कोविड-19 के सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपल, मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला और प्रियंका गांधी वाद्रा समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने दशहरे के मौके पर लोगों को शुभकामनाएं दीं।

राजस्व संग्रह को बेहतर करने के लिए पर्यटन को बढावा देगी लोजपा: चिराग

पटना। (एजेंसी)।

लोक जनशक्ति पार्टी प्रमुख चिराग पासवान ने बिहार में धार्मिक पर्यटन का विकास नहीं होने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जिम्मेदार ठहराते हुए रविवार को कहा कि राजस्व संग्रह को बेहतर बनाने के लिए उनकी पार्टी (लोजपा) प्रदेश में सूफी-संतों से जुड़े धार्मिक पर्यटन स्थलों का विकास करेगी। चिराग ने रविवार को ट्वीट किया, धार्मिक पर्यटन से लोगों की आस्था भी जुड़ी हुई है और इससे बिहार का राजस्व भी बढ़ेगा। इसलिए बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट - बिहार विधानसभा चुनाव में सत्ता में आने पर लोजपा द्वारा लागू किया जाने वाला विजन डॉक्युमेंट्स में धार्मिक पर्यटन पर विशेष ज़ोर दिया गया है। राजस्व बढ़ाने का प्रयास सभी सम्भावित क्षेत्र से करना होगा। उन्होंने कहा, माता सीता के साथ-साथ बिहार में भगवान महावीर, गौतम बुद्ध, गुरु गोबिंद सिंह व कई सूफ़ी संत जैसे महान दिव्य शक्तियों का वास रहा है। इन सब स्थानों को विशेष सर्किट से जोड़ा जाएगा।

बिहार में राज्ग से बाहर होकर और अकेले चुनाव लड़ रही लोजपा के प्रमुख चिराग ने आरोप लगाया, बिहार में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा यदि हमारे मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने पिछले 15 साल में दिया होता, तो आज बिहार राजस्व की समस्या से बेहाल नहीं होता। उन्होंने कहा, सिया बिन राम अधूरे हैं इसलिए भगवान राम का मंदिर (अयोध्या में) बनने के साथ सीतामढ़ी में माता सीता का भव्य मंदिर का निर्माण बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट लागू कर कराउंगा। सीतामढ़ी से अयोध्या तक 6 लेन की सड़क बना कर सिया-राम कोरिडोर बनाने की इच्छा रखने वाले चिराग ने कहा, माता सीता नारी सशक्तिकरण व नारी स्वाभिमान की प्रतीक हैं।

बिहार विधानसभा की 243 सीटों में से 136 पर अपने उम्मीदवार उतराने वाली एवं केंद्र में राजग में शामिल लोजपा के प्रमुख ने अपने समर्थकों से कहा, आप सभी से अनुरोध है कि जहां भी लोजपा के प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे है, उन सभी स्थानों पर बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट को लागू करने के लिए लोजपा के प्रत्याशियों को वोट दें एवं अन्य स्थानों पर भाजपा के उम्मीदवारों को वोट दें। राज्य में नीतीश मुक्त सरकार बनेगी।'' भाजपा के एक विज्ञापन से नीतीश की तस्वीर ग़ायब होने पर चिराग ने उनपर हमला बोलते हुए कहा, भाजपा के मेरे साथियों ने समय रहते हटा दी नीतीश कुमार की फ़ोटो। अब भाजपा के मेरे साथियों को भी नीतीश कुमार के तस्वीर से घबराहट हो रही है।

बदरीनाथ के कपाट 19 नवंबर को होंगे बंद, चारधाम यात्रा का भी होगा समापन

देहरादून (उत्तराखंड)। बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए 19 नवंबर को बंद किए जाएंगे। इसके साथ ही, उत्तराखंड में इस वर्ष की चारधाम यात्रा का समापन हो जाएगा। उत्तराखंड चारधाम देवस्थानम बोर्ड के मीडिया प्रभारी डॉ हरीश गौड ने बताया कि रविवार को विजयादशमी पर बदरीनाथ मंदिर में परंपरागत पूजा-पाठ के बाद पंचाग गणना कर कपाट बंद करने का मूहूर्त निकाला गया, जिसके अनुसार बृहस्पतिवार 19 नवंबर को अपराह्न तीन बजकर 35 मिनट पर मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए जाएंगे। चार धामों में से केवल बदरीनाथ मंदिर के कपाट बंद करने की ही तिथि निकाली जाती है और अन्य तीनों धामों की तिथि दिवाली के त्योहार से निर्धारित होती है। गंगोत्री मंदिर के कपाट दिवाली के अगले दिन 15 नवंबर को अन्नकूट पर्व पर बंद किए जाएंगे, वहीं 16 नवंबर को भाईदूज के पर्व पर केदारनाथ और यमुनोत्री मंदिर के कपाट बंद होंगे। उन्नीस नवंबर को बदरीनाथ मंदिर के कपाट बंद होने के साथ ही इस वर्ष की चारधाम यात्रा का समापन हो जाएगा। डॉ गौड ने बताया कि कोविड-19 के कारण इस साल एक जुलाई से शुरू हुई चारधाम यात्रा में 22 अक्टूबर तक देश भर से 1,57,063 श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पहुंचकर दर्शन किए, जिनमें से 1,38,807 तीर्थयात्री बदरीनाथ एवं केदारनाथ पहुंचे।

जेपी नड्डा का विपक्ष पर बड़ा हमला, कहा- मोदी का विरोध करते करते देश का विरोध शुरू कर दिया

जयपुर। (एजेंसी)।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि दिशाहीन विपक्ष ने धीरे-धीरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करते हुए देश का विरोध करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने धारा 370 को निरस्त करने का विरोध किया और परोक्ष रूप से पाकिस्तान का समर्थन किया नड्डा ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राजस्थान में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा ऐसे समय में जब पूरा देश अनुच्छेद 370 को खत्म करने के बाद जश्न मना रहा था, राहुल गांधी ने श्रीनगर के लोगों के साथ अन्याय किए जाने की बात कही थी। नड्डा ने आज दो भाजपा कार्यालयों का उद्घाटन किया और राज्य में छह कार्यालयों की नींव रखी। उन्होंने कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष दिशाहीन हो गया है। इसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करते हुए देश का विरोध शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि कार्यालय संस्कार देने का एक केन्द्र होता है।

कार्यालय में आने से, कार्यालय में बातचीत करने से और कार्यालय की सुविधाओं में बैठ कर कार्यालय में पार्टी की गतिविधियों में शामिल होने से पार्टी के कार्यकर्ताओं का विकास होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा आज दुनिया की सबसे बडी पार्टी है और उसमें कार्यालय का बहुत बडा योगदान है। नड्डा ने कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि कोरोना काल में आपने बहुत अच्छा काम किया। सारी पार्टियां लॉकडाउन हो गई थीं और अभी भी लॉकडाउन में हैं। लेकिन भाजपा एक अकेली पार्टी थी जिसका राजनैतिक पक्ष तो था ही लेकिन कोरोना के संक्रमण काल में पार्टी ने अपना सामाजिक पक्ष भी दिखाया और सामाजिक पक्ष में जहां देश में 25 करोड लोगो को भोजन पैकेट पहुंचाए वहीं पांच करोड राशन किट भी बांटी।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में भी सतीश पूनियां के नेतृत्व में सभी कार्यकर्ताओं ने बहुत बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और बहुत अच्छा काम किया। उन्होंने कहा कि कोरोना संकट के समय पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए कार्यो का दस्तावेजीकरण किया जा रहा है और इसकी एक ई बुक तैयार करवाई जा रही है जिसका संयुक्त राष्ट्र की नौ भाषाओं में अनुवाद करवाया जाएगा। नड्डा ने साथ ही कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि हर बूथ स्तर परएक व्हाट्सएप ग्रुप बनाएं और उसमें हर 15 दिन में नई जानकारी डालें। इसमें प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम के बारे में भी लोगों को जानकारी दें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की विफलताओं संबंधी जानकारी भी इस ग्रुप में डाली जानी चाहिए।

भारतीय ध्वज का अनादर कर रही हैं महबूबा मुफ्ती, अनुच्छेद 370 बहाल नहीं होगा: रविशंकर प्रसाद

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भाजपा ने पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती पर भारतीय ध्वज का ''अनादर'' करने का आरोप लगाते हुए शनिवार को इस बात पर जोर दिया कि अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान संवैधानिक तरीके से समाप्त किये गए थे और इसे बहाल नहीं किया जाएगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि महबूबा मुफ्ती की यह टिप्पणी राष्ट्रीय ध्वज की शुचिता का ''घोर अपमान''है कि जब तक कश्मीर का ध्वज बहाल नहीं हो जाता, तब तक वह तिरंगा नहीं उठाएंगी। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को कहा था कि उन्हें तब तक चुनाव लड़ने या राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा उठाने में कोई दिलचस्पी नहीं है जब तक पिछले साल पांच अगस्त को लागू किए गए संवैधानिक बदलाव वापस नहीं लिये जाते।

उन्होंने कहा था कि वह तिरंगे को तभी उठाएंगी जब तत्कालीन राज्य के अलग ध्वज को बहाल कर दिया जाएगा। प्रसाद ने इस बात पर जोर दिया कि अनुच्छेद 370 पूर्ववर्ती राज्य को एक विशेष दर्जा प्रदान करता था और इसे पिछले वर्ष समाप्त कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि इसे अब बहाल नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसे एक उचित संवैधानिक प्रक्रिया के तहत समाप्त किया गया और संसद के दोनों सदनों ने इसे अच्छी संख्या बल से मंजूरी दी थी। कानून मंत्री ने कहा कि इसे समाप्त करना देश के प्रति हमारी प्रतिबद्धता थी और लोगों ने इसकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मुफ्ती ने कई तरीकों से उस भारत की छवि का घोर अनादर किया है जिसका प्रतिनिधित्व तिरंगा करता है। मंत्री ने अन्य विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति गंभीर अनादर दिखाने वाली , महबूबा की टिप्पणी पर चुप्पी साध रखी है जबकि वे ''मामूली मुद्दों'' पर भी भाजपा की आलोचना करते हैं।

प्रसाद ने कहा, ''यह पाखंड और दोहरा मापदंड है।'' उन्होंने दावा किया कि अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान समाप्त किये जाने से केंद्र शासित प्रदेश में विकास को बढ़ावा मिला है और समाज के कमजोर वर्ग जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और महिलाओं को वही अधिकार प्राप्त हो रहे हैं जो उन्हें देश के बाकी हिस्सों में मिलते हैं। कानून मंत्री ने कहा कि जम्मू कश्मीर में लोगों ने खुशी-खुशी स्थानीय चुनावों में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, ''कुछ लोगों और परिवारों को दिक्कतें होंगी जो बिना किसी जवाबदेही के शासन करते थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)